उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी...

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष- 10 अंक - 19

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 09 जून 2025

स्वस्थ शरीर बनाए रखने के लिए फास्ट फूड से बचें:ज्योति बाबा 8

अयोध्या में हुई राम दरबार की प्राण-प्रतिष्ठा, योगी ने की पूजा अर्चना 6

मणिपुर में उग्र प्रदर्शन: प्रदर्शनकारियों ने खुद पर डाला पेट्रोल, 5 जिलों में कर्फ्यू और इंटरनेट बंद

इंफाल। मणिपुर में शनिवार को अरंबाई तेंगगोल (मैतेई संगठन) के एक नेता की गिरफ्तारी के बाद भड़के विरोध प्रदर्शनों ने रविवार को और उग्र रूप ले लिया। प्रदर्शनकारियों ने गिरफ्तारी के विरोध में खुद पर पेट्रोल उड़ेलकर प्रतीकात्मक आत्मदाह का प्रयास किया, जिससे हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए। इसके मद्देनज़र प्रशासन ने इंफाल घाटी के पांच जिलों—इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, थौबल, विष्णुपुर और काकचिंग—में निषेधाज्ञा लागू कर दी है, वहीं इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं।प्रदर्शनकारियों ने इंफाल के क्वाकैतल और यूरिपोक क्षेत्रों में सड़कों पर टायर और पुराने फर्नीचर जलाकर सड़कें जाम कीं। शनिवार रात राजधानी के कई हिस्सों में सुरक्षा बलों के साथ उनकी झड़पें हुईं। इंफाल ईस्ट के खुरई लमलोंग इलाके में एक भीड़ ने एक बस में आग भी लगा दी।राजभवन की ओर जाने वाली सड़कों पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। केंद्र के अर्धसैनिक बलों की अतिरिक्त तैनाती कर दी गई है।

'शांति भंग और जानमाल को खतरा'

इंफाल वेस्ट के जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि जिले में शांति भंग, दंगा, और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों के कारण जनजीवन और संपत्तियों को गंभीर खतरा उत्पन्न हुआ है। इसी के तहत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163(2) के तहत पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने, लाठी, पत्थर, हथियार, या तेजधार वस्तु लेकर चलने पर रोक लगा दी गई है।वहीं इंफाल ईस्ट जिले में शनिवार रात 10 बजे से अगले आदेश तक किसी भी नागरिक के घर से बाहर निकलने पर रोक लगा दी गई है। यह प्रतिबंध धारा 163(1) के तहत लगाया गया है।

एयरपोर्ट का घेराव, गोलियों की आवाजें

गिरफ्तार नेता को राज्य से बाहर ले जाए जाने की आशंका में अरंबाई तेंगगोल से जुड़े प्रदर्शनकारियों ने इंफाल के तुलिहाल एयरपोर्ट के गेट का घेराव कर लिया और एयरपोर्ट रोड पर यातायात बाधित किया। कई घंटों तक वहां तनावपूर्ण स्थिति बनी रही।इसी दौरान क्वाकैतल क्षेत्र में गोलियों की आवाजें भी सुनी गईं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो सका कि गोलीबारी किस ओर से हुई।एक पुलिस अधिकारी ने बताया, गिरफ्तारी के बाद हिंसक प्रदर्शन हुए हैं, लेकिन स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाए गए हैं। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए प्रशासन सतर्क है।

दिल्ली में नौ वर्षीय बच्ची का सूटकेस में शव मिला, परिवार ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया

नयी दिल्ली। नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली के दयालपुर इलाके में नौ वर्षीय बच्ची का शव सूटकेस में पाया गया। परिवार और स्थानीय लोगों ने यौन उत्पीड़न और हत्या का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। पुलिस और अर्धसैनिक बल इलाके में तैनात किए गए हैं ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपी बच्ची को सूटकेस में बंद कर फरार हो गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यौन उत्पीड़न की आशंका सहित सभी पहलुओं की जांच चल रही है। हम पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। आरोपी को पकड़ने के लिए टीम बनाई गई है। हम मामले को गंभीरता से ले रहे हैं,卐 एक पुलिस अधिकारी ने कहा।पीड़िता के परिवार ने बताया कि बच्ची शाम करीब 7 बजे पास के रिश्तेदार को आइस देने गई थी। जब वह देर तक वापस नहीं आई तो खोजबीन शुरू की गई। परिवार ने कई रिश्तेदारों और पड़ोसियों से संपर्क किया, लेकिन किसी ने भी उसे फिर नहीं देखा। अंतत: पता चला कि बच्ची को पास के एक घर में देखा गया था, जहां उसका शव सूटकेस में मिला।बच्ची के पिता ने बताया कि जब वह उस घर पहुंचे तो ताला लगा था। उन्होंने ताला तोड़कर अंदर देखा और सूटकेस में खून से सना शव पाया। उसे तुरंत स्थानीय क्लिनिक ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे अस्पताल ले जाने को कहा। शास्त्री पार्क के जगप्रवेश चंद्र अस्पताल में बच्ची को मृत घोषित कर दिया गया।दयालपुर पुलिस को शाम 8.41 बजे घटना की सूचना मिली। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। अस्पताल ने भी बच्ची के मृत होने की पुष्टि की। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में चेहरे पर चोट के निशान और यौन उत्पीड़न के संकेत मिले हैं। मामले की जांच के लिए क्राइम सीन और फोरेंसिक टीम बुलाई गई हैं। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें काम कर रही हैं। दयालपुर थाना में बाल संरक्षण अधिनियम की धारा 6 समेत संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। घटना के बाद इलाके में भारी गुस्सा फैला। सैकड़ों लोग सड़क जाम कर प्रदर्शन करने लगे और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। तनाव के कारण कई दुकानदार अपनी दुकानें बंद करने को मजबूर हुए।स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जिसके चलते भारी पुलिस बल और बाद में अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भीड़ को शांत करने और परिवार को कार्रवाई का भरोसा दिलाने में लगे रहे। दयालपुर में यातायात पूरी तरह बाधित रहा, जिससे सवारियों को घंटों जाम में फंसना पड़ा। वाहन वैकल्पिक रास्तों से गुजरे और कई आपात सेवा वाहन देर से पहुंचे।

अखिलेश यादव का आरोप- भाजपा सरकार ने किसानों को दिया धोखा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने किसानों को धोखा दिया है। खेती का लागत मूल्य बढ़ता जा रहा है। खाद, बीज, पानी, कीटनाशक सब कुछ महंगा हो गया है। भाजपा सरकार धोखा देने में अव्वल है। किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था वो वादा भी पूरा नहीं हुआ है। अखिलेश यादव ने कहा कि इस सरकार में किसानों को खेती के कार्य के लिए बिजली नहीं मिल पा रही है। किसानों की मक्का और अन्य फसलों के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। फूलों की खेती भी सूख रही है। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल है। खेती किसानी की दशा दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री और भाजपा के नेता किसानों, नौजवानों को भ्रमित करने और बरगलाने के लिए नये-नये बहाने गढ़ने में लगे रहते है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसानों के फसलों की खरीद नहीं हो रही है। फसलों की खरीद में भाजपा के लोगों ने भारी भ्रष्टाचार किया। धान, गेहूं खरीद में सरकारी धन का बंदरबांट हुआ। भारी भ्रष्टाचार हुआ है। भाजपा सरकार में योजनाओं में जमकर भ्रष्टाचार और लूट हुई है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में फसलों की लूट है। इस सरकार ने समाजवादी सरकार के दौरान बनाई जाने वाली मंडियों का काम रोक दिया। सरकार बिचौलियों और उद्योगपतियों के लिए फसलों की खरीद कर रही है। सरकारी खरीद नहीं हो रही है। भाजपा सरकार का एजेंडा उद्योगपतियों को लाभ दिलाने का रहता है। इनको किसानों से कोई मतलब नहीं है। अखिलेश यादव ने कहा कि इस सरकार में किसानों पर लगातार संकट बढ़ता जा रहा है। पूरी सरकार मक्का और अन्य फसलों के लिए सिर्फ ढिंढोरा पीट रही है। जमीन पर कोई काम नहीं किया। प्रदेश में बिजली का संकट है। मक्का किसानों को पानी के लिए बिजली नहीं मिल पा रही है। पानी नहीं मिलने से फसलें सूख रही है एक तरफ किसान की फसल सूख रही है। दूसरी तरफ छुट्टा और जंगली जानवर किसानों की फसलों को रौंद रहे हैं।

राहत : वकीलों को गर्मी में नहीं पहनना होगा काला कोट ?

भीषण गर्मी के महीनों में राजधानी के वकीलों को राहत प्रदान करते हुए, दिल्ली बार एसोसिएशन (तीस हजारी) ने घोषणा की है कि वकीलों को 16 मई से 30 सितंबर तक जिला न्यायालय में अपनी पारंपरिक पोशाक, काला कोट पहनने की आवश्यकता नहीं होगी। बार एसोसिएशन ने 24 मई को जारी एक परिपत्र में कहा कि सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि अधिवक्ता अधिनियम 1961 की धारा 49 (1) (जीजी) के तहत नियम में संशोधन के अनुसार, वकीलों को गर्मियों के दौरान, यानी 16 मई से 30 सितंबर तक काला कोट पहनने से छूट दी गई है।वकीलों को अन्य नियमों का पालन करने की सलाह दी गई है। यह प्रावधान बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) को किसी भी अदालत या न्यायाधिकरण के समक्ष उपस्थित होने वाले वकीलों की पोशाक पर नियम बनाने का अधिकार देता है और इसमें जलवायु परिस्थितियों पर विचार करना भी शामिल है। एसोसिएशन के सचिव विकास गोयल द्वारा हस्ताक्षरित नोटिस में कहा गया है कि सदस्य दिल्ली उच्च न्यायालय के अधीनस्थ अदालतों में बिना काले कोट पहने उपस्थित होने के लिए स्वतंत्र हैं। हालांकि, सदस्यों को ड्रेस कोड के अन्य नियमों का पालन करने की सलाह दी जाती है, जो एक वकील के लिए अनिवार्य है।

अधिवक्ता अधिनियम, 1961 की धारा 49(1)(द्दद्द) के तहत बनाए गए नियमों में सभी अभ्यासरत अधिवक्ताओं के लिए एक औपचारिक ड्रेस कोड अनिवार्य किया गया है। पुरुष अधिवक्ताओं के लिए, पोशाक में एक काला बटन-अप कोट, चपकन, अचकन (लंबी आस्तीन, साइड स्लिट और एक स्टैंडिंग कॉलर वाला घुटने तक का ऊपरी वस्त्र) या काली शेरवानी, साथ ही सफेद बैंड और एक अधिवक्ता का गाउन शामिल है। महिला अधिवक्ताओं को एक सफेद कॉलर (कठोर या नरम), सफेद बैंड और एक अधिवक्ता का गाउन, बिना किसी डिज़ाइन के या तो साड़ी या सफेद या काले रंग की लंबी स्कर्ट के साथ एक काले रंग की पूरी या आधी आस्तीन वाली जैकेट या ब्लाउज पहनना आवश्यक है।

भारत में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 3000 के पार, केरल सबसे ज्यादा प्रभावित

भारत में सक्रिय COVID-19 मामलों की संख्या 3,000 को पार कर गई है, जिसमें केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली नवीनतम लहर में सबसे अधिक प्रभावित राज्य हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, देश में वर्तमान में 3,395 सक्रिय मामले हैं, जिनमें से केरल में सबसे अधिक 1,336 मामले हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में 467 और अन्य राज्यों में भी मामले बढ़ रहे हैं।

केरल भारत में सबसे अधिक प्रभावित राज्य है, जहां शुक्रवार को 189 नए कोविड मामले दर्ज किए गए और वर्तमान में 1,336 सक्रिय संक्रमण हैं। इसके बाद महाराष्ट्र (467), दिल्ली (375), गुजरात (265), कर्नाटक (234), पश्चिम बंगाल (205), तमिलनाडु (185) और उत्तर प्रदेश (117) जैसे राज्य हैं, जहां कोविड मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। अन्य प्रभावित राज्यों में राजस्थान (60), पुडुचेरी (41), हरियाणा (26), आंध्र प्रदेश (17) और मध्य प्रदेश (16) शामिल हैं। भारत में इस साल अब तक 26 कोविड से संबंधित मौतें दर्ज की गई हैं।भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने कहा है कि भारत में कोविड के मामलों में उछाल का कारण ओमीक्रॉन के उप-वेरिएंट हैं, जो 2022 में भारत में कोविड की बड़ी लहर के पीछे एक स्ट्रेन था। डॉ. बहल ने यह भी पुष्टि की कि कोविड-19 के मामलों में वृद्धि दक्षिण से शुरू होकर पश्चिम और अब उत्तर भारत तक पहुंच गई है। इन सभी मामलों की निगरानी एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) के माध्यम से की जा रही है।डॉ. बहल ने कहा कि वर्तमान में संक्रमण की गंभीरता आम तौर पर हल्की है और चिंता की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि जब भी मामले बढ़ते हैं, तो तीन कारकों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है- पहला वायरस की संक्रामकता, दूसरा, मामले कितनी तेजी से बढ़ रहे हैं और तीसरा गंभीर मामलों का प्रतिशत। डॉ. बहल ने कहा कि वर्तमान में मामले तेजी से नहीं बढ़ रहे हैं और नए वेरिएंट पिछली प्रतिरक्षा को चकमा देने में सक्षम नहीं हैं।

दिल्ली वक्फ बोर्ड ने गुरुद्वारे की जमीन पर ठोका था दावा, सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली वक्फ बोर्ड के उस दावे को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि एक परिसर का इस्तेमाल गुरुद्वारे के तौर पर किया जा रहा है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने वक्फ बोर्ड की उस अपील को खारिज कर दिया जिसमें उसने 2010 में दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा उसकी याचिका खारिज करने के फैसले के खिलाफ अपील की थी। जस्टिस शर्मा ने कहा कि बोर्ड को खुद ही अपना दावा छोड़ देना चाहिए था।कोर्ट ने अपील खारिज करते हुए कहा कि किसी तरह का नहीं। एक उचित ढंग से काम करने वाला गुरुद्वारा। एक बार गुरुद्वारा बन जाए तो उसे रहने दें। वहां पहले से ही एक धार्मिक संरचना काम कर रही है। आपको खुद ही उस दावे को छोड़ देना चाहिए। वक्फ बोर्ड के अनुसार शाहदरा में विवादित मस्जिद मस्जिद तकिया बब्बर शाह थी। बोर्ड का दावा है कि यह मस्जिद अनादि काल से अस्तित्व में है और धार्मिक उद्देश्यों के लिए समर्पित थी। हालांकि, प्रतिवादी ने तर्क दिया था कि संपत्ति वक्फ संपत्ति नहीं है क्योंकि संपत्ति के मालिक मोहम्मद अहसान ने इसे 1953 में उसे बेच दिया था।

योगी सरकार का बड़ा फैसला, अग्निवीरों को मिलेगा 20फीसदी आरक्षण

एक महत्वपूर्ण नीतिगत कदम के तहत, योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को राज्य पुलिस भर्ती में पूर्व अग्निवीरों के लिए 20त्न आरक्षण को मंजूरी दे दी। यह निर्णय दिन में 11 बजे हुई कैबिनेट बैठक के दौरान लिया गया। आधिकारिक घोषणा के अनुसार, आरक्षण पुलिस विभाग के भीतर कई प्रमुख श्रेणियों में सीधी भर्ती पर लागू होगा, जिसमें सिविल पुलिस कांस्टेबल, पीएसी (प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी), घुड़सवार पुलिस कांस्टेबल और फायरमैन शामिल हैं।

राज्य सरकार ने कहा कि कोटा का उद्देश्य अग्निपथ योजना के तहत चार साल की सैन्य सेवा के बाद पूर्व अग्निवीरों को सिविल सेवाओं में शामिल करने में सहायता करना है। यह कदम अग्निवीरों को सेवा के बाद रोजगार के अवसर प्रदान करने और राष्ट्रीय रक्षा में उनके योगदान को मान्यता देने के उत्तर प्रदेश के बड़े प्रयास का हिस्सा है। अग्निवीर वे युवा हैं जिन्हें अग्निपथ योजना के तहत भर्ती किया जाता है, जो जून 2022 में भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक अल्पकालिक सैन्य भर्ती पहल है। इस योजना का उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों में युवा, तकनीक-प्रेमी और गतिशील प्रोफ़ाइल को शामिल करना है जिसमें सेना, नौसेना और वायु सेना शामिल हैं।

17.5 से 23 वर्ष की आयु के उम्मीदवार आवेदन करने के पात्र हैं। एक बार चुने जाने के बाद, अग्निवीर चार साल तक सेवा करते हैं, जिसमें छह महीने का प्रशिक्षण और साढ़े तीन साल की सक्रिय ड्यूटी शामिल है। चार साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद, लगभग 25त्न अग्निवीरों को योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर सशस्त्र बलों में स्थायी भूमिकाओं के लिए चुना जाता है। शेष कर्मियों को बिना किसी पेंशन लाभ के लगभग 11-12 लाख रुपये के सेवा निधि पैकेज के साथ रिहा कर दिया जाता है।

मशहूर यूट्यूबर मनीष कश्यप ने बीजेपी से दिया इस्तीफा, लड़ेंगे चुनाव

बिहार: बिहार के चर्चित यूट्यूबर और बीजेपी नेता मनीष कश्यप ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। एक वीडियो जारी कर मनीष कश्यप ने ऐलान किया कि वे बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। बीजेपी छोड़ने के बाद वे किसी दूसरी पार्टी में शामिल होंगे या निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे, इस पर उन्होंने खुलकर बात की। मनीष कश्यप ने कहा कि बीजेपी में शामिल होना उनकी भूल थी, जिसके लिए उन्होंने जनता से माफी मांगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में उन्होंने कहा कि वे हमेशा एक सफल प्रधानमंत्री रहेंगे और पार्टी छोड़ने के बाद भी वे बेवजह उनके खिलाफ नहीं बोलेंगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि बीजेपी में रहने का मतलब है अपने लोगों के सामने हो रहे भ्रष्टाचार पर पर्दा डालना। इस वजह से उन्हें मजबूरन इस्तीफा देना पड़ा। मनीष कश्यप ने बताया कि उन्हें लगा था कि पार्टी में रहकर वे लोगों की मदद और मजबूती से कर पाएंगे, लेकिन वे खुद की मदद नहीं कर सके।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ आवाज उठाने की बात कही। उन्होंने बताया कि पार्टी में रहते हुए भी वे इन मुद्दों पर बोलते रहे, लेकिन अब लगता है कि पार्टी में रहकर वे इन मुद्दों को प्रभावी ढंग से नहीं उठा सकते। मनीष कश्यप ने कहा कि उनके इस फैसले से कुछ लोग खुश होंगे, तो कुछ दुखी। उन्होंने जनता से सुझाव भी मांगा कि उन्हें कहां से और किस पार्टी से या फिर निर्दलीय चुनाव लड़ना चाहिए।

संपादकीय

न्याय की साख

किसी भी लोकतंत्र में न्यायपालिका की साख निर्विवाद रूप से कायम रहनी चाहिए। कामकाज में पारदर्शिता व शुचिता नजर आना संवैधानिक संस्था के लिये अनिवार्य शर्त है। न्यायपालिका की जिन कवायदों को लेकर अंगुलियां उठ सकती हैं, उनको संबोधित करके मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने एक सराहनीय पहल की है। उनका सेवानिवृत्ति के बाद सरकार से कोई पद न लेने का संकल्प संस्थागत ईमानदारी व विश्वसनीयता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम कहा जाएगा। निस्संदेह, उनके और कई सहयोगियों द्वारा दर्शायी गई यह प्रतिबद्धता न्यायपालिका की विश्वसनीयता और इसे स्वतंत्र बनाये रखने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। सीजेआई गवई ने यही साबित करने का प्रयास किया है कि न्यायाधीशों द्वारा सेवानिवृत्ति के तुरंत बाद सरकारी पद लेना या चुनाव लड़ने के लिये इस्तीफा देना, संवेदनशील नैतिक चिंताएं पैदा करता है। यह भी कि ये प्रवृत्तियां सार्वजनिक जांच को आमंत्रित करती हैं। निस्संदेह, हितों के टकराव या पक्षपात की कोई भी धारणा केवल विश्वास की कमी को ही बढ़ाती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि इस मुद्दे पर सीजेआई का साहसिक रुख नैतिक नेतृत्व का एक नया मानक स्थापित करेगा- जिसका अक्षरशः और ईमानदारी की भावना से पालन किया जाएगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की है कि न्यायपालिका के भीतर कदाचार के उदाहरण पूरी व्यवस्था के प्रति विश्वास को चोट पहुंचा सकते हैं। इस विश्वास को फिर से बनाने का रास्ता त्वरित, निर्णायक और पारदर्शी कार्रवाई में निहित है। इसमें दो राय नहीं कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा से जुड़ा कैश-इन-रेजिडेंस का विवाद न्यायपालिका के साथ-साथ कार्यपालिका और विधायिका के लिये कसौटी पर परखने का मामला है। चर्चा है कि आगामी मानसून सत्र में दिल्ली उच्च न्यायालय के एक विवादित पूर्व न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया जा सकता है। वहीं कॉलेजियम प्रणाली की बढ़ती आलोचना के बीच सीजेआई गवई का यह कथन कि न्यायिक स्वतंत्रता की कीमत पर कोई समाधान नहीं आना चाहिए, सही है। हालांकि, न्यायाधीशों की नियुक्ति कैसे की जाती है, यह एक अनसुलझा विवादास्पद मुद्दा बना हुआ है। गाहे-बगाहे अदृश्य न्यायिक भ्रष्टाचार पर भी गंभीर चिंता जतायी जाती रही है। पिछले दिनों पूर्व सीजेआई संजीव खन्ना का सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संपत्ति सार्वजनिक करने का कदम सराहनीय था। लेकिन अभी भी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है। बड़े पैमाने पर लंबित मामलों के मूल में प्रणालीगत विसंगतियां होने की बात कही जाती है। लेकिन हकीकत यह भी है कि राजनीतिक नफे-नुकसान के समीकरणों को साधने के लिये सरकारों ने भी तमाम संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास भी किया है। इसके बावजूद संस्थाओं के भीतर से उभरते शुचिता के संकल्प जन विश्वास को मजबूती देते हैं।

पाकिस्तानी क्रिप्टो करेंसी के ज़रिये टेरर फंडिंग

इसे ट्रंप प्रशासन कैसे सुनिश्चित कर पायेगा ? उदाहरण के लिए, 2019 में, हमास ने एक क्रिप्टोकरेंसी के ज़रिये डोनेशन अभियान चलाया, एक साल में ज़बरदस्त रूप से हमास के फंड का इज़ाफ़ा हुआ। 2020 में अमेरिका ने हमास की सशस्त्र शाखा, इज़् अल दीन अल क़स्साम ब्रिगेड से जुड़ी कई वेबसाइटों और 150 क्रिप्टोकरेंसी खातों को जब्त कर लिया। 2023 में अमेरिकी प्रवर्तन कार्रवाइयों से पता चला कि क़स्साम ब्रिगेड ने 2019 की शुरुआत से ही क्रिप्टोकरेंसी लेनदेन की सुविधा के लिए क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज 'बिनेंस' का इस्तेमाल किया। यह वही 'बिनेंस' है, जिसके सीईओ छांगफेंग चाओ जेल गए थे।

वर्ष 2021 में, अमेरिकी क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज प्लेटफ़ॉर्म 'कॉइनबेस' ने हमास को क्रिप्टोकरेंसी फंड रेजिंग में शामिल कई आतंकवादी समूहों में से एक के रूप में पहचाना। अप्रैल, 2023 में क़स्साम ब्रिगेड ने घोषणा की, कि वह बिटकॉइन के ज़रिये दान स्वीकार करना बंद कर देगा। हमास को डर था कि उसके दानदाताओं को निशाना बनाया जा सकता है। पाकिस्तान क्रिप्टो करेंसी के ज़रिये टेरर फंडिंग को वैध रूप देगा, यह सबसे बड़ी चुनौती के रूप में दुनिया के सामने आने वाली है। यह कहावत चिरस्थायी है, 'पाकिस्तान अल्लाह, आर्मी और अमेरिका के भरोसे चल रहा है!

पाकिस्तान क्रिप्टो करेंसी के ज़रिये टेरर फंडिंग को वैध रूप देगा, यह सबसे बड़ी चुनौती के रूप में दुनिया के सामने आने वाली है। यह कहावत चिरस्थायी है, 'पाकिस्तान अल्लाह, आर्मी और अमेरिका के भरोसे चल रहा है!'

एक बिटकॉइन को माइन करने के लिए कितनी बिजली की ज़रूरत होगी ? औसतन, 1 बीटीसी को माइन करने में लगभग 6,400,000 किलोवाट-घंटे बिजली की खपत होती है। यह बिजली की खपत दूसरी, तीसरी, चौथी बिटकॉइन माइनिंग में बढ़ती चली जाती है। गुज़िश्ता साल पाकिस्तान 6,247 मेगावाट बिजली की कमी का सामना कर रहा था। देश भर में बिजली की मांग बढ़कर 26,500 मेगावाट हो गई थी, जबकि उत्पादन क्षमता 20,253 मेगावाट है। अब सौर ऊर्जा उत्पादन कर इसका उपाय ढूंढ़ा जा रहा है। भारत द्वारा पानी पर पाबन्दी लगाने की घोषणा से पाकिस्तान, ऊर्जा के मामले में कोढ़ में खाज की हालत से गुजरने लगा है। ऐसे में उसने बिटकॉइन को माइन करने की जो नई ज़िम्मेदारी ली है, उससे पूरी दुनिया हैरान है। पाकिस्तान बिटकॉइन के वास्ते बिजली लाएगा कहां से ? यह सबसे बड़ा सवाल है।पाकिस्तान ने एक राष्ट्रीय क्रिप्टो रिजर्व स्थापित करने की योजना का अनावरण किया है, जिससे यह देश राष्ट्रीय संपत्ति के रूप में डिजिटल मुद्राओं को अपनाने वाला पहला देश बन गया है। पाकिस्तान ने चीनी मूल के कनाडाई बिज़नेसमैन छांगफेंग चाओ जो, 'बिनेंस' कंपनी के संस्थापक और उसके पूर्व सीईओ को पाकिस्तान क्रिप्टो काउंसिल (पीसीसी) का रणनीतिक सलाहकार नियुक्त किया है। छांगफेंग चाओ जिन्हें आमतौर पर 'सीजेड' के शॉर्ट नेम से जाना जाता है, ने अमेरिका में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में दोषी ठहराए जाने के बाद, नवंबर 2023 में सीईओ के पद से इस्तीफा दे दिया था। अप्रैल, 2024 में उन्हें चार महीने जेल की सजा सुनाई गई। वो जेल गए, और उसी साल सितंबर तक उन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली। अब इस ब्लैक लिस्टेड, आपराधिक छवि वाले शख्स की देखरेख में ट्रंप की बिटकॉइन कंपनी ने पाकिस्तान से समझौता किया है, तो समझिये कि कितना बड़ा खेल इस इलाक़े में होने जा रहा है।ख़बर यह भी आई कि ब्रिटिश-पाकिस्तानी उद्यमी और टेक्नोक्रेट बिलाल बिन साकिब के नेतृत्व में पाकिस्तान क्रिप्टो काउंसिल (पीसीसी) विदेशी बिटकॉइन माइनर्स और एआई डेटा भंडारण केंद्र निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 2,000 मेगावाट की अतिरिक्त बिजली संयंत्र क्षमता की पेशकश करेगी। ट्रम्प की मोनोपली वाली बिटकॉइन मुद्रा कंपनी 'वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल इंक' (डब्ल्यूएलएफआई) ने 26 अप्रैल को पीसीसी के साथ एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान में अपने ब्रांड का बिटकॉइन लॉन्च करना है।साकिब, जिन्हें पिछले महीने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा राज्यमंत्री का दर्जा दिया गया था, ने 29 मई को बिटकॉइन सम्मेलन में इस पहल की घोषणा की, जिसमें डोनाल्ड ट्रम्प के पुत्र एरिक ट्रम्प और 'डब्ल्यूएलएफआई' के सीईओ ज़ाचरी विटकॉफ, अमेरिकी राष्ट्रपति के मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ के बेटे शामिल हुए। अपने भाषण में, साकिब ने कहा कि पाकिस्तान ने एक राष्ट्रीय बिटकॉइन वॉलेट स्थापित किया है, यह बिक्री या सट्टेबाजी के लिए नहीं, बल्कि एक संप्रभु रिजर्व के रूप में दीर्घकालिक भरोसा पैदा करेगा।' पाकिस्तान के वित्तमंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने कहा कि सरकार 'भविष्य के लिए तैयार वित्तीय बुनियादी ढांचा बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो वित्तीय स्थिरता और नियामक अनुपालन बनाए रखते हुए नवाचार का समर्थन करता है।'

वित्तीय विश्लेषक 'फिनटेक' के विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा शुरू किए गए रणनीतिक बिटकॉइन रिजर्व मॉडल को इतनी जल्दी अपनाने वाले पाकिस्तान को सफल होने के वास्ते कई चुनौतियों को पार करना होगा। इनमें प्रतिस्पर्धी कीमतों की पेशकश से लेकर, प्रमुख ऋणदाता 'आईएमएफ' की आपत्तियों को दूर करना शामिल है। लेकिन जब ट्रम्प हैं, तो इस बाधादौड़ को पाकिस्तान पार कर ही लेगा। मार्क्वेट यूनिवर्सिटी में वित्त के एसोसिएट प्रोफेसर डेविड क्राउज़, जिन्होंने हाल ही में 'डब्ल्यूएलएफ' का एक अध्ययन प्रकाशित किया है, ने कहा, 'क्रिप्टो माइनिंग के लिए पावर ग्रिड का दबाव झेलना आसान नहीं है। क्रिप्टोकरेंसी बाजार की अस्थिरता भी एक हाई रिस्क को आमंत्रित करती है। अगर बिटकॉइन के मूल्य में गिरावट आती है या खनन अस्थिर साबित होता है, तो यह रणनीतिक भंडार, भरभरा कर गिर जायेगा।'लेकिन, 'बिटकॉइन एसोसिएशन पाकिस्तान' के पार्टनर, लुकमान खान अधिक आशावादी दिखने लगे। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद दो हज़ार मेगावाट अप्रयुक्त बिजली को रिडाइरेक्ट करके लगभग एक अरब डॉलर वार्षिक राजस्व अर्जित कर सकता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो यह क्षति के नाम पर चोरी का माल है। अब, जब बिटकॉइन वाले खनन करेंगे, यही बिजली रेवेन्यू देने लगेगी।'लुकमान खान ने कहा कि इस समय 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर के 10,000 बिटकॉइन जमा करके, पाकिस्तान 'भविष्य के मुद्रा झटकों के खिलाफ अपनी बैलेंस शीट को स्थिर कर सकता है, यह ठीक वैसे ही है, जैसे सोने के भंडार। एक दशक में क्रिप्टो अर्थव्यवस्था पाकिस्तान के लगभग 300 बिलियन अमेरिकी डॉलर के छोटे सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ावा दे सकती है।'बहरहाल, बिटकॉइन खनन के लिए पाकिस्तान का वर्तमान बिजली उत्पादन शुल्क 7 अमेरिकी सेंट प्रति किलोवाट घंटा है, जो टेक्सास जैसे प्रमुख खनन स्थलों के 1 से 3 अमेरिकी सेंट प्रति किलोवाट घंटा से कहीं अधिक है। कराची स्थित वित्तीय सेवा फर्म केट्रेड के अध्यक्ष अली फरीद ख्वाजा ने कहा कि पाकिस्तान सरकार को एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल अपनाना पड़ सकता है, जिसमें वह क्रिप्टोकरेंसी खनन ऑपरेटरों के साथ उपक्रमों की पूंजीगत व्यय लागत साझा करेगी।लेकिन, उससे भी गंभीर सवाल यह है कि बिटकॉइन की आड़ में आतंकवाद का बड़ा खेल पाकिस्तान न करे ?

समुद्र के पारिस्थितिकीय तंत्र पर गंभीर संकट

कोच्चि के पास जहाज दुर्घटना से फैले प्लास्टिक नर्डल्स कन्याकुमारी तक पहुंच गए हैं, जिससे समुद्री जीवन, पर्यावरण और मछुआरों की आजीविका पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

बीते 26 मई को कोच्चि के पास जलमग्न हुए लाइबेरिया के एक जहाज से फिलहाल तेल के फैलाव और उसमें भरे रसायनों की पानी से होने वाली क्रिया के कारण संभावित प्रदूषण का कोई खतरा सामने नहीं आया है। हालांकि, जहाज में लदे कुछ कंटेनरों के टूटने के बाद उनमें भरे अनगिनत प्लास्टिक के छोटे-छोटे गेंद जैसे छर्रे, जिन्हें नर्डल्स कहा जाता है, का फैलाव अब कन्याकुमारी तक हो गया है। यह न केवल समुद्री तटों, बल्कि व्यापक रूप से जल-जीवन के लिए एक बड़ा संकट बन गया है।छोटे और हल्के होने के कारण नर्डल्स पानी पर तैरते हैं और समुद्री धाराओं

, नालों तथा नदियों के माध्यम से दूर-दूर तक फैल जाते हैं। एक तो समय से पहले मानसून आ गया है, दूसरा इन दिनों अरब सागर में ऊंची लहरें और छोटे चक्रवात सक्रिय हैं। इन कारणों से ये प्लास्टिक छर्रे अपेक्षा से कहीं अधिक दूर तक फैल गए हैं। उल्लेखनीय है कि समुद्री कंटेनरों में भरे सामान को सुरक्षित रखने के लिए इस तरह के छर्रों का उपयोग किया जाता है।

तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले के 42 तटीय गांवों में से 36 के समुद्र तटों पर प्लास्टिक के ये सफेद छर्रे, जहरीले कंकड़ बनते जा रहे हैं। इस प्रदूषण के चलते विशेष रूप से किलियूर तालुक के तटीय आवासीय क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, जहां के सभी 16 गांव प्रभावित हुए हैं। कलकुलम और अगस्तीस्वरम तालुकों में भी क्रमशः 13 तटीय बस्तियों में से 10-10 में नर्डल्स देखे गए हैं। प्लास्टिक के ये टुकड़े मंगलवार को कन्याकुमारी शहर के निकट मणाकुड़ी नामक तटीय गांव तक पहुंच चुके हैं। इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि बीते गुरुवार को कोंकलेच के वानियाकुड़ी तट के पास समुद्र में बह आकर आए कंटेनर के टूटने से ये छर्रे बहे हैं। इस कंटेनर को विशेषज्ञों की टीम ने बरामद कर कूथुकुड़ी में कस्टम विभाग को आगे जांच के लिए सौंप दिया। कन्याकुमारी के कलेक्टर अलागुमीना के मुताबिक अभी तक 858 बैग नर्डल्स एकत्रित किए गए हैं, जिनमें प्रत्येक का वजन लगभग 25 किलोग्राम है। अकेले सोमवार को ही 248 बैग एकत्र किए गए।

इसके पहले, केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के तीन समुद्री तट — कोचकुहल्ली, वेली, थुंबा और वेट्टुक्काड — पर भी इसका प्रकोप देखा जा चुका है। इसके अलावा, कोल्लम और अलाप्पुझा के कई तटीय गांव भी इससे सफेद हो गए हैं, और आम लोग स्वयंसेवक के रूप में उनकी सफाई कर रहे हैं। प्लास्टिक के छोटे-छोटे छर्रे अब गंभीर पर्यावरणीय संकट पैदा कर रहे हैं। इनसे उत्पन्न प्रदूषण लंबे समय तक जहर के समान रहता है। इनके अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रभावों में आवासीय पर्यावरण का प्रदूषण, इनके माइक्रो और नैनो प्लास्टिक में टूटना और खाद्य श्रृंखला में प्रवेश करना शामिल है।

मैंग्रोव, प्रवाल भित्तियां और कीचड़ वाले तट जैसे तटीय पारिस्थितिकी तंत्र विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं। प्लास्टिक के कण जड़ों को ढक सकते हैं और ऑक्सीजन के आदान-प्रदान को रोक सकते हैं, जिसे पारिस्थितिकविद 'पारिस्थितिक मृत' क्षेत्र कहते हैं —ऐसे क्षेत्र जहां जीवन वापस आने के लिए संघर्ष करता है। समुद्री जीव जैसे व्हेल, मछलियां और कछुए प्लास्टिक के कचरे को अपना शिकार समझकर खा लेते हैं। इस प्रकार पेट में प्लास्टिक भरे होने की वजह से वे अंदरूनी चोटों का शिकार होते हैं। यह माइक्रोप्लास्टिक जलीय जीवों के शरीर के अंदर प्रवेश कर जाता है और फिर जलीय जीवों के माध्यम से हमारी फूड चेन का हिस्सा बन जाता है। जिस जीव के शरीर में ये सूक्ष्म कण जमा हो जाते हैं, यदि उसे कोई इंसान खाएगा, तो वही प्लास्टिक उसके अंगों में भी प्रवेश कर सकता है।

हाल ही में मुंबई के समुद्री तटों और श्रीलंका से सटी हिन्द महासागर की सीमा पर प्लास्टिक नर्डल्स का आतंक देखा जा चुका है, और कई तकनीकें इसके समुद्र में गहरे प्रभाव को रोकने में असमर्थ रही हैं। इस खतरे को देखते हुए केरल और तमिलनाडु सरकारों ने कंटेनर के आसपास के इलाकों में मछली पालन पर रोक लगा दी है, जो एक बड़ा आर्थिक और सामाजिक तनाव का कारण बन रहा है। फिलहाल भारत के दक्षिणी समुद्री तट पर मंडरा रहा यह संकट पर्यावरण के साथ-साथ लाखों लोगों की रोजी-रोटी से भी जुड़ा है।

प्लास्टिक कचरे के कारण हाल ही में उस इलाके से पकड़ी गई मछलियों के खरीदार नहीं मिल रहे। विदित हो कि केरल में 2022-23 में कुल समुद्री उत्पादन 6.90 लाख टन था, जो 2023-24 में घटकर 5.8 लाख टन हो गया। इस कमी के बावजूद, केरल अभी भी समुद्री मछली पकड़ने में देश में दूसरे स्थान पर है। यह मछली प्रजनन का चरम काल है और इस समय प्लास्टिक का प्रदूषण इस पर बुरा असर डालता है।

उल्लेखनीय है कि नर्डल्स के दाने मुख्य रूप से पॉलीथीन, पॉलीप्रोपाइलीन, पॉलीस्टाइरीन और पॉलीविनाइल क्लोराइड जैसे विभिन्न पॉलिमरों से निर्मित होते हैं। बुनियादी पॉलिमर के अलावा, नर्डल्स में हानिकारक रसायनों का एक मिश्रण होता है, जिसमें थैलेट्स, बिस्फेनॉल ए (बीपीए), लौ रिटार्डेंट, ऑर्गेनोटिन, भारी धातुएं और पीएफएएस शामिल हो सकते हैं।

स्पष्ट हो चुका है कि ये 'गायब नहीं होते' और टूटने में 100 से 1,000 साल लगते हैं। सारी दुनिया के समुद्र इसके कारण हैरान और परेशान हैं। इसके बावजूद, इसे अभी भी अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन द्वारा खतरनाक सामग्री के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है। केरल के तट पर हुई इस दुर्घटना के बाद समय आ गया है कि भारत विश्व समुदाय के सामने समुद्री जहाजों में इस जहरीले नर्डल्स के परिवहन पर रोक लगाने और इसके विकल्प के बारे में आवाज़ उठाए।

जम्मू-कश्मीर में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा

पहलगाम आतंकी हमले के डेढ़ महीने बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जम्मू-कश्मीर यात्रा स्थानीय लोगों के साथ एकजुटता की एक सार्थक पहल ही कही जाएगी। इसके साथ ही केंद्र शासित प्रदेश में बड़ी रेल परियोजनाओं के उद्घाटन से पाकिस्तान को सख्त संदेश देने की कोशिश की गई है कि जम्मू-कश्मीर की प्रगति को उसकी तमाम साजिशों के बावजूद धीमा नहीं पड़ने दिया जाएगा। इसके विपरीत पाक पोषित आतंकवादियों द्वारा शांति भंग करने के तमाम षड्यंत्रों के बावजूद विकास में तेजी लाने के भरसक प्रयास जारी रहेंगे। कश्मीरियों से संवाद कायम करते हुए प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान पर पर्यटकों को निशाना बनाने और पर्यटन पर निर्भर लोगों को उनकी आजीविका से वंचित करने का आरोप लगाया। उन्होंने इसे सीधे-सीधे इंसानियत और कश्मीरियत पर हमला बताया। निस्संदेह, कश्मीर घाटी को भारत के बाकी रेल नेटवर्क से जोड़ने का सामरिक व प्रतीकात्मक महत्व किसी से छिपा नहीं है। यह सरकार के इस दृष्टिकोण की पुष्टि है कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न व अविभाज्य हिस्सा था, है और रहेगा। प्रधानमंत्री ने उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे लिंक को जम्मू कश्मीर की नई पहचान और भारत की नई ताकत बताया है। इस प्रकार उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि पहलगाम के जघन्य हत्याकांड के बाद केंद्र शासित प्रदेश और देश, दोनों ही मजबूत हुए हैं। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री की स्पष्ट अभिव्यक्ति न केवल स्थानीय लोगों बल्कि शेष देश से आने वाले पर्यटकों का विश्वास फिर से हासिल करने का सार्थक प्रयास है। इसी तरह के प्रयास राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की तरफ से भी किए जा रहे हैं। राज्य के लोगों का मनोबल और पर्यटकों का भरोसा बढ़ाने के मकसद से मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पिछले सप्ताह एक सराहनीय कदम उठाया। उन्होंने पहलगाम की सड़कों पर साइकिल चलाई और जोर देकर कहा कि अब आतंकवाद पर्यटन को नहीं रोक सकता है। वहीं केंद्र सरकार भी इस दिशा में रचनात्मक भूमिका निभा रही है और राज्य सरकार को हर संभव सहयोग दे रही है।

कीचड़ इधर भी, कीचड़ उधर भी

इसी साल महाकुंभ, नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन और उससे पहले हाथरस में ऐसी ही भगदड़ें हुई थीं, जिनमें बड़ी संख्या में मौतें हुईं। इन मौतों का सही आंकड़ा कभी सामने नहीं आता और हम अंधाधुंध नकली हीरो के पीछे भागते है , कभी यह पता नहीं चल पाता कि दोषियों की शिनाख़्त हुई या नहीं, उन्हें सज़ा मिली या नहीं और न ये पता लगता है कि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कोई नीति बनाई जाएगी या नहीं।

अगर ऐसा होता तो हर दो-चार महीने में भगदड़ के हादसे नहीं होते। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर का स्वागत कार्यक्रम एक बड़े हादसे का शिकार हो गया। एक तरफ स्टेडियम के भीतर जश्न चल रहा था और दूसरी तरफ स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ उमड़ी थी, जिसे संभालने में कांग्रेस का सीएम और उनकी पुलिस नाकाम रही और नतीजा भगदड़ के रूप में सामने आया। इस हादसे में 11 लोगों की जान चली गई। बताया जा रहा है कि 30-35 हजार की क्षमता वाले स्टेडियम में समाने के लिए करीब ढाई-तीन लाख लोग आ गए थे। इस घटना ने एक बार फिर भारत में बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन की गंभीर समस्या को उजागर किया है।

बेंगलुरू मामले में गनीमत इस बात की है कि यहां कांग्रेस की राज्य सरकार मुंह छिपाती फिर रही है। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री सब मीडिया के सामने आकर अपनी थेथरई कह रहे हैं, अस्पतालों में पीड़ितों

पंकज सीबी मिश्रा /राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

से मिल कर वोट बटोरने में हैं। जबकि हाथरस और प्रयागराज में महाकुंभ में हुई भगदड़ में सरकार का रवैया बिल्कुल साफ रहा पर विपक्ष हाय तौबा मचाता रहा। महाकुंभ में तो असल में कांग्रेस ने अफवाह फैला कर माहौल बिगाड़ने की जी तोड़ कोशिश करी । इस बार भाजपा को कांग्रेस सरकार को घेरने का मौका मिल रहा है, तो वह ज़रा सी भी कसर नहीं छोड़ रही। इससे पहले भी बारिश, लू, ठंड, कुपोषण, इलाज न मिलना, सड़क हादसे, भगदड़ - वजह कोई भी हो सकती है, लेकिन हर साल ऐसे ही किसी बहाने की आड़ में सैकड़ों जिंदगियां अकाल मौत का शिकार होती हैं।

ऐसी मौतों पर सरकारों को कितना अफ़सोस होता है, यह तो कहा नहीं जा सकता, अलबत्ता इन पर राजनीति खूब होती है। शायद इसलिए इन्हें रोकने की कोई कोशिश भी नहीं होती। वर्ना बाढ़, बारिश, गर्मी सबकी भविष्यवाणी पहले से मौसम विभाग कर देता है, तो सरकारें उस हिसाब से व्यवस्था कर सकती है ताकि लोगों को कम से कम तकलीफ़ हो। इसी तरह अस्पतालों, सड़कों, सार्वजनिक स्थलों पर व्यवस्था चाक-चौबंद करके हादसों को रोका जा सकता है। अब तो आपदा प्रबंधन विभाग भी है। लेकिन फ़िलहाल देश में आपदा प्रबंधन, आग लगने पर कुआं खोदने की तर्ज पर काम करता है। राज्य सरकार पर घोर लापरवाही के इल्ज़ाम लगाए जा रहे हैं, इस्तीफ़ा मांगा जा रहा है। लोकतंत्र में विपक्ष का रवैया बिल्कुल ऐसा ही होना चाहिए, लेकिन उसे जनता की जान को एक जैसा ही कीमती समझना भी चाहिये। बहरहाल, इस मामले में बैंगलोर हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर गुरुवार को सुनवाई की थी, जिसमें सरकार का पक्ष रखते हुए महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने कहा कि राज्य सरकार कोई प्रतिकूल रुख़ नहीं अपना रही है, इसलिए इसे एक दूसरे पर कीचड़ उछालने वाली बात नहीं करनी चाहिए, हमारा ध्यान घटना की जांच करने और कार्रवाई करने पर है। अदालत जो आदेश देगी हम उस अनुसार काम करने को तैयार हैं। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि जब इस तरह की घटनाएं होती हैं तो एक एसओपी यानी मानक प्रक्रिया होना चाहिए। अदालत ने कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन और आरसीबी दोनों को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई अब संभवतः मंगलवार को होगी। अब इस देश की जनता को विचार करना होगा कि आखिर वह कब तक अकारण जान दांव पर लगाती रहेगी। आईपीएल के कर्ता-धर्ता जानते हैं कि विराट की शोहरत से मुनाफ़ा कैसे कमाया जा सकता है। उन्होंने मुनाफ़ा कमा लिया, 11 लोगों ने अपनी जान से हाथ धोया और विराट कोहली यह कहकर चलते बने कि उनके पास कहने के लिए शब्द नहीं हैं। वे कम से कम जनता से इतनी अपील ही कर देते कि आगे से ऐसे आयोजनों में जान जोखिम में डालकर शामिल न हों, कम से कम नेताओं से अपील कर देते कि इस हादसे पर न्याय दें, राजनीति न करें।

लेकिन विराट कोहली के पास शब्द नहीं हैं, और अरबों की कमाई करने वाले उन जैसे खिलाड़ियों का भी यही हाल होगा, दरअसल इनके पास शब्दों का नहीं, साहस का अकाल है। खै़र, अब जनता को ही विचार करना चाहिए कि अपना पैसा और अपनी जान - दोनों देकर भी उसे आख़िर में क्या हासिल हो रहा है। आरसीबी ने पहली बार आईपीएल का खिताब जीता, बहुत अच्छी बात है। लेकिन यह बात मैच ख़त्म होने और विजेता की ट्रॉफ़ी मिलने के साथ ही ख़त्म भी हो जानी चाहिए। मगर मीडिया, सोशल मीडिया इन सबके बनाए चकाचौंध वाले माहौल में आम आदमी अपनी सुधबुध खोकर वही करने लगता है, जो ये चाहते हैं, जिनसे इन्हें मुनाफ़ा होता रहे। विजेता टीम को खुली बस में घुमाना, जीत की परेड निकालना, उनके स्वागत में जश्न रखना, इन सबमें खिलाड़ियों, टीमों और उनके प्रायोजकों को भारी-भरकम कमाई होती है।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:

मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

गंगा स्नान करते समय डूबने से पांच की मौत, गोताखोरों ने एक को बचाया

फर्रूखाबाद। अलग-अलग स्थानों में गंगा स्नान के दौरान डूबने से चचेरे भाइयों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

यूपी के फर्रुखाबाद जिले में अलग-अलग स्थानों में गंगा स्नान के दौरान डूबने से पांच लोगों की जान चली गई। जबकि गोताखोरों ने एक की जान बचाई। कायमगंज में चचेरे भाइयों की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

गंगा में पहनावन चढ़ाते वक्त डूबा युवक, मौत

शमसाबाद में गंगा नदी में पहनावन चढ़ाने के दौरान युवक की डूबकर मौत हो गई। एक घंटे बाद युवक को गोताखोरों ने बाहर निकाला। जनपद मैनपुरी के गांव कुचेला निवासी राजू चौहान का पुत्र शीलू (21) मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के गांव दाउदपुर निवासी मामा बृजेश कुमार के घर रह रहे थे। दाउतपुर निवासी सत्यराम पाल और शीलू ट्रैक्टर लेकर ढाई घाट पर गंगा की पहनावन करने आए थे। पहनावन चढ़ाने के दौरान शीलू डूब गया। गोताखोरों ने एक घंटे बाद शीलू को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। कायमगंज सीओ संजय वर्मा ने बताया कि मामा बृजेश बिना कार्रवाई के भांजे का शव लेकर घर चले गए।

गंगा स्नान के दौरान किशोर की डूबकर गई जान

शमसाबाद में गंगा स्नान के दौरान किशोर की डूबकर मौत हो गई। जिला गोंडा थाना वजीरगंज के गांव कदरा निवासी मुनीम का 17 वर्षीय पुत्र सत्यम चाचा दलवीर और चाची पूजा के साथ ढाईघाट पर गंगा दशहरा पर स्नान करने के लिए आया था। परिजनों के मुताबिक, स्नान करते समय वह गहरे पानी में चला गया। चाचा-चाची के शोर मचाने पर गोताखोर पहुंचे। करीब 50 मिनट के बाद किशोर को गंगा से बाहर निकालकर सीएचसी ले जाया गया। यहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोर के चाचा दलवीर और चचेरे चाचा राजेश परिवार सहित जलालाबाद में नग और प्लास्टिक की चटाई का व्यापार करते हैं। चाचा दलवीर ने बताया कि मृतक के पिता गोंडा में खेती करते हैं। भतीजा सत्यम साथ रहता था।

गंगा में डूबकर दो चचेरे भाइयों की मौत, एक को बचाया

कायमगंज में गंगा दशहरा पर गंगा स्नान करने गए तीन युवकों में से दो की डूबने से मौत हो गई। एक को मौके पर मौजूद लोगों ने बचा लिया। यह हादसा सिनौली गंगा घाट पर बृहस्पतिवार सुबह करीब साढ़े सात बजे हुआ। नगला बीरबल गांव निवासी सचिन उर्फ छवि (19) पुत्र श्यामवीर सिंह यादव और रमन (20) पुत्र रघुवीर सिंह यादव दोनों चचेरे भाई, नगर के मोहल्ला दत्तू नगला में किराये पर रहकर सेना भर्ती की तैयारी कर रहे थे। इनके साथ अलीगढ़ जिले के थाना दादों क्षेत्र के मेवा नगला गांव निवासी जोगिंदर (25) भी तैयारी कर रहे हैं। जोगिंदर सीनियर छात्र हैं। वह दोनों को प्रशिक्षण दे रहे थे।

बृहस्पतिवार सुबह दोनों युवक अपने गुरु (जोगिंदर) के साथ सिनौली घाट पर गंगा स्नान के लिए पहुंचे। घाट पर प्रशासन की ओर से कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई थी। अस्थायी घाट पर दोनों युवक एक साथ नहाने के लिए उतरे तो तेज बहाव में बहने लगे। सचिन ने कहा गुरु बचाओ, इस पर जोगिंदर कूद पड़े। वे भी तेज धार में बहने लगे। चीख-पुकार सुनकर वहां मौजूद लोगों ने तुरंत अंगोछा फेंककर जोगिंदर को बचा लिया, लेकिन सचिन और रमन बह गए। प्रभारी निरीक्षक अनुराग मिश्रा, गोताखोरों और टीम के साथ पहुंचे। करीब ढाई घंटे की तलाश के बाद दोनों युवकों के शव घटनास्थल से करीब 100 मीटर दूर पानी के अंदर मिले। दोनों को सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद प्रशासन की लापरवाही को लेकर लोगों में आक्रोश भी दिखा। एक ही परिवार के दो चचेरे भाइयों की मौत से परिवार में गहरा शोक है। दोस्तों के साथ गंगा नहाने गया बीएससी का छात्र डूबा, मौत

परिजनों के साथ गंगा नहाने के बाद दोस्तों के साथ गंगा नहाने गया बीएससी का छात्र डूब गया। गोताखोरों ने मशक्कत के बाद निकाला। लोहिया अस्पताल में डॉक्टर ने छात्र को मृत घोषित कर दिया। पिता अजय पाल ने बताया कि बेटा मोहम्मदाबाद स्थित एक डिग्री कॉलेज में बीएससी द्वितीय वर्ष का छात्र था। फतेहगढ़ कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइंस निवासी अजय पाल का पुत्र विनय यादव (21) गंगा दशहरा पर सुबह मां मिथला देवी व बहन के साथ गंगा नहाने गया था। गंगा नहाकर वह घर लौट आया। इसके बाद दोस्त उसे फिर गंगा स्नान करने के लिए ले गए। बरगदियाघाट में गंगा स्नान करते समय विनय गहरे पानी में जाने से डूब गया। दोस्तों के शोर मचाने पर गोताखोरों ने विनय की खोजबीन की। करीब आधे घंटे बाद विनय को बाहर निकाला गया। पिता अजय पाल समेत अन्य परिजन बरगदियाघाट पहुंच गए। विनय को लोहिया अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

गंगा नहाते समय तीन की डूबकर मौत, मुंडन संस्कार में होने आए थे शामिल, परिजनों में मचा हड़कंप

कानपुर। बिल्हौर थाना क्षेत्र में एक बालिक समेत दो युवक गंगा नहाते समय डूब गए। हादसे में तीनों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से तीनों को बाहर निकलवाया।

कानपुर में बिल्हौर थाना क्षेत्र में गंगा नहाते समय तीन लोग डूब गए। गोताखोरों ने तीनों को कड़ी मशक्कत से बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची पुलिस और एंबुलेंस ने तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचाया।

यहां डॉक्टरों ने तीनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर पाकर परिजनों में कोहराम मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, तीनों अपनी बहन के यहां मुंडन संस्कार में शामिल होने आए थे और गंगा में डुबकी लगाते समय डूब गए।

दो युवक और एक बालिक की मौत

हादसे के मृतकों में दो युवक और एक बालिक शामिल है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मामला बिल्हौर थाना क्षेत्र के कल्लू पुरवा अकबरपुर सेंध घाट का बताया जा रहा है।

मृतकों में ये शामिल

बलराम (22) पुत्र चंदा, निवासी थाना शिवली, कानपुर देहात।

संदीप (20) पुत्र रामविलास, निवासी थाना बिधनू, कानपुर नगर।

एक बालिका (14), निवासी कल्लूपुरवा सेन पश्चिम पारा, कानपुर नगर।

दिव्यांग उत्पीड़न के मामलों में रोक लगाने की मांग

कानपुर। दिव्यांग महागठबंधन ने आज शास्त्री नगर सेन्ट्रल पार्क में मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित ज्ञापन सौंप कर दिव्यांग महागठबंधन के अध्यक्ष मनीष प्रसाद के ऊपर हमला करने वालों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करने व दिव्यांग उत्पीड़न के मामलों में त्वरित कार्यवाही करने की मांग की। महागठबंधन के जिला अध्यक्ष राहुल कुमार ने कहा कि अध्यक्ष मनीष प्रसाद पर हमला करने वालों पर 6 दिन बाद भी रिपोर्ट न दर्ज होना पुलिस कि उदासीनता का जिता जागता उदाहरण है। राहुल कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश में दिव्यांगजनों का उत्पीड़न बढ़ता जा रहा है जिसे दिव्यांग महागठबंधन कतई बर्दाश्त नहीं करेंगा। अगर दोषियों पर तत्काल कार्यवाही नहीं होती है तो दिव्यांग महागठबंधन मुख्यमंत्री कार्यालय का घेराव करेंगा। महिला मोर्चा की अध्यक्ष अल्पना कुमारी ने कहा कि दिव्यांग महिलाएं उत्तर प्रदेश में सुरक्षित नहीं है आए दिन दिव्यांग महिलाओं का शोषण उत्पीड़न हो रहा है पुलिस मामले को दबाने में लगी रहती है जिससे सरकार के प्रति अविश्वास की भावना पैदा हो रही है। सरकार को चाहिए कि वो दिव्यांग उत्पीड़न की घटनाओं पर रोक लगाए। अन्यथा हम सभी प्रदेश के दिव्यांग महिलाएं सड़कों पर उतर कर आन्दोलन को मजबूर होंगी। आज ज्ञापन देने वालों में महागठबंधन के अध्यक्ष राहुल कुमार, राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आनन्द तिवारी, महिला मोर्चा अध्यक्ष अल्पना कुमारी, अशोक कुमार, अरविन्द सिंह, गुड्डी दीक्षित, गौरव कुमार, वैभव दीक्षित, रंजीत कुमार, गोमती वर्मा, सरला, जौहर अली, कृष्ण कुमार अवस्थी आदि शामिल थे।

प्लास्टिक हटाओ-पर्यावरण बचाओ

कानपुर। जीवन बचाओ वर्ष 2025 में विश्व पर्यावरण दिवस की थीमएंडिंग प्लास्टिक ग्लोबली यानी की वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक से मुक्ति के संकल्प को लेकर विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को जन-जन को प्लास्टिक के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक किया गया और सभी आने जाने बोलो से अपील की गयी कि अपने और अपने बच्चों के भविष्य को देखते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलिथीन का उपयोग न करें, उसका विकल्प चुने, प्लास्टिक बैग, स्ट्रॉ, कप, प्लेट और बोतलों का उपयोग को कहे ना, पर्यावरण के अनुकूल जूट के बैग, स्टील और कांच की बोतले और पुनः उपयोग होने वाली वस्तुओं को उपयोग होने वाली वस्तुओं को चुनेगे, जिसके लिए आम जनमानस को जागरूक करके संकल्प लिया गया उक्त अयोजन आज दिनांक 5 जून 2025, स्थान - लाल इमली चौराहा, परेड, कानपुर नगर पर आयोजन संपन्न हुआ उक्त अयोजन को सफल बनाने में आम आदमी पार्टी के नगर प्रभारी आशुतोष सेंगर नगर, नगर अध्यक्ष अनुज शुक्ला विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष, प्रखर श्रीवास्तव, के मार्गदर्शन में विधिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर कुमार शर्मा, सरिता द्विवेदी, कृष्ण कुमार सिंह चकित, एडवोकेट अश्वनी कुमार, आशीष कुमार जैन, देवेश शुक्ला, आदि मौजूद रहे !

शादी के 27 दिन बाद युवक की सड़क हादसे में मौत, मचा कोहराम

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मामा को कार से कानपुर देहात के रसूलाबाद छोड़ने जा रहे युवक की कार सामने से आ रही बस से टकरा गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को हैलट में भर्ती कराया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। 27 दिन पहले ही उसकी शादी हुई थी। हादसे की सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया। नवाबगंज के आजादनगर रोडवेज कालोनी निवासी अजय सिंह(35) जीएसटी अधिकारियों की कार चलाते थे।

परिवार में पत्नी नीतू, मां शीला सिंह व छोटा भाई विजय सिंह हैं। विजय ने बताया कि 6 मई को अजय की शादी कन्नौज के तिर्वा घुड़िया गांव निवासी नीतू से हुई थी। मंगलवार को मामा विजय सिंह और पड़ोसी युवक को काम के सिलसिले में कानपुर देहात जाना था। इस पर अजय दोनों को कार से रसूलाबाद छोड़ने गया था। हालांकि मामा साथ ही लौटने लगे। लौटते समय रसूलाबाद में सामने से आ रही निजी ट्रैवल एजेंसी की तेज रफ्तार बस ने कार में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। अजय की गंभीर हालत देखते हुए डॉक्टरों ने उसे हैलट रेफर कर दिया। हैलट में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, मामा विजय का सर्वोदयनगर स्थित अस्पताल में इलाज चल रहा है।

व्यापारी बिजली समस्याओं को लेकर केस्को एमडी के पास पहुंचे

प्रतिदिन बिजली समस्याओं को लेकर 1000 शिकायतें उत्पन्न हो रही हैं

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उद्योग व्यापार मंडल का एक प्रतिनिधिमंडल जिला अध्यक्ष सुनील बजाज के नेतृत्व में आज केस्को एम डी सैमुअल पॉल से मिले जिला महामंत्री कृपा शंकर त्रिवेदी ने व्यापारियों की समस्याओं का ज्ञापन पढ़कर केस्को एम डी को अवगत कराया जिसमें शहर के भिन्न-भिन्न बाजारों और व्यापारियों की समस्याओं को केस्को के सामने बारी-बारी से उठाया गया कानपुर में हो रही अत्यधिक बिजली कटौती केस्को कर्मचारियों को बिना किसी नोटिस के घरों में सर्वे एवं मीटर रीडरों द्वारा गलत तरीके से बिल बनाने शहर के अधिकतर क्षेत्रों में अंडरग्राउंड केबल एबीसी के अधूरे कार्य सब स्टेशनों की अदला बदली एवं गलत शलत बिल बनाने जैसी तमाम समस्याओं से परेशान उपभोक्ताओं से संबंधित समस्याओं का ज्ञापन दिया गया जिस पर केस्को एम डी के द्वारा यह बताया गया कि लगभग 1000 शिकायतें प्रतिदिन आ रही हैं जो कि पूरे यूपी में सभी विद्युत वितरण निगमो में सबसे ज्यादा है पूर्व में पायलट प्रोजेक्ट के 14000 मीटर गलती से लग गए थे जो कि तकरीबन ढाई सौ मीटर प्रतिदिन बदले जा रहे हैं केस्को के द्वारा ज्यादातर समस्याओं पर अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए पिछले दिनों कलेक्टर गंज बाजार में लगी भीषण आग में जल गए व्यापारियों मीटरो को तत्काल बदलवाने का निर्देश अधिकारियों केस्को एमडी ने दिया साथ ही साथ आश्वासन दिया कि हम व्यापारियों की सभी समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण करेंगे आज के प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से सुनील बजाज विजय पांडे मणिकांत जैन रामेश्वर गुप्ता लाला भैया राकेश सिंह कृपा शंकर त्रिवेदी प्रदीप गुप्ता महेंद्र गुप्ता सत्य प्रकाश जायसवाल राहुल दीक्षित निर्मल त्रिपाठी विराट गुप्ता सचिन शुक्ला संजय त्रिवेदी ओम प्रकाश चौटाला राजेश गुप्ता गुलशन जायसवाल गीता गुप्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे!

कानपुर में 5.50 लाख का पड़वा और 2.85 लाख में बिका ड्राईफ्रूट खाने वाला दुंबा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बकरीद को लेकर बाजार सज गया है। बकरे 10 हजार से लेकर दो लाख तक के बिक रहे हैं। कानपुर में बकरा बाजार सज गया है। यह हलीम कॉलेज चमनगंज, जाजमऊ और बाकरगंज में लगा है। इस बार छह लाख छोटे-बड़े जानवरों का कारोबार होने का अनुमान है। बाजारों में 10 हजार से लेकर दो लाख रुपये तक के बकरे, 20 हजार से लेकर साढ़े पांच लाख रुपये तक के पड़वे (भैंसा) बिक रहे हैं। जाजमऊ बाजार में गुरुवार को साढ़े पांच लाख रुपये का पड़वा और 2.85 लाख रुपये का दुंबा बिका। यह दुंबा एसी में रहता है और ड्राईफ्रूट्स खाता है।

व्यापारियों ने बताया कि इस बार पिछली बार की अपेक्षा एक से डेढ़ लाख जानवरों के ज्यादा बिकने की संभावना है। सभी बाजारों में सबसे ज्यादा 20 से 40 हजार रुपये के बकरों की मांग है। चमनगंज पार्षद शिब्बू अंसारी ने बताया कि बाजार में दो से ढाई लाख बकरों और बड़े जानवर बिक जाएंगे। जाजमऊ में गल्ला गोदाम एसटीआई में बकरा बाजार सजा है। यहां 10 हजार से लेकर दो लाख की कीमत तक के बकरे हैं। बाजार के आयोजक लियाकत अली, पार्षद फखर इकबाल, मुनीर अहमद और अली अहमद ने बताया कि शहर के अलावा गंगा पार के व्यापारी और किसान जानवरों को बेचने ला रहे हैं।

बाकरगंज में लगने वाली बाजार सुजातगंज रेलवे ग्राउंड के पास लगी है। पार्षद पति अकील शानू ने बताया कि बाजार में 12 हजार से लेकर 50 हजार रुपये तक के बकरे मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि बकरीद पर औसत 40 से 50 हजार बकरे बिक जाते हैं और बड़े जानवर छह से आठ हजार बिकते हैं।

साढ़े पांच लाख कीमत का पड़वा पहुंचा बाजार

जाजमऊ बाजार में सबसे महंगे जानवर आए हैं। यहां साढ़े पांच लाख की कीमत का पड़वा झालरों से सजाकर लाया गया। इसका वजन 11 क्विंटल का है। यह गुरुवार को बिक गया। इसके अलावा 2.85 लाख की कीमत का दुंबा भी आया है, जो एसी में रहता है। यह ड्राईफ्रूट्स, हरी सब्जियां खाता है और बिस्तर पर सोता है। आयोजक लियाकत अली ने बताया कि यह ज्यादा देर गर्मी में नहीं रह पाता। बाजार में जैसे ही आया इसे खरीद लिया गया। बाजार में पुलिस का सहयोग भी काफी मिल रहा है।

कपड़ा कारोबारी की दुकान कब्जाने में दीनू का आया नाम, पुलिस ने न्यायिक रिमांड की दी अर्जी

कानपुर। फजलगंज में 18 महीने पहले पिता-पुत्र के बीच संपत्ति विवाद के मामले में दुकान कब्जाने पहुंचे अधिवक्ता धीरज उर्फ दीनू उपाध्याय का नाम पुलिस ने बढ़ा दिया है। इस मामले में दीनू का न्यायिक रिमांड लेने के लिए विवेचक ने कोर्ट में अर्जी दी है। कोर्ट ने दीनू को जेल से तलब किया है। मामले पर सुनवाई 11 जून को होगी। वर्तमान में इस घटना की विवेचना नजीराबाद पुलिस कर रही है। फजलगंज निवासी 70 वर्षीय सुरेंद्र सिंह की फजलगंज में हेमकुंड स्टोर के नाम से होजरी की दो दुकाने हैं। उनके तीन बेटे सतविंदर, अरविंदर और गुरुविंदर सिंह में मझला अरविंदर सिंह उनके साथ दुकान पर बैठता था। आरोप है कि भू माफियाओं से मिलकर उसने दुकान पर कब्जा करने की नीयत से मिलते जुलते नाम से नई फर्म बनाई और 21 दिसंबर 2023 को दुकान का ताला तोड़कर कब्जा कर लिया। उसके साथ कुछ वकील कब्जा करने पहुंचे थे जिसमें दीनू उपाध्याय और उसके साथी शामिल थे। 18 माह बाद सुरेंद्र सिंह घटना से जुड़ा एक वीडियो लेकर डीसीपी सेंट्रल से मिले और शिकायत की। डीसीपी सेंट्रल के आदेश पर विवेचना शुरू हुई तो दीनू घटना में शामिल पाए गए। अब मुकदमे में नाम बढ़ाने की प्रक्रिया विवेचक ने शुरू कर दी है।

50 हजार करोड़ से सड़कें देंगी रफ्तार, नए जोन, रिवर फ्रंट दिखाएगा विकास को राह

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर को औद्योगिक, तकनीकी, शैक्षणिक, व्यावसायिक, पर्यटन के रूप से विकसित करने की योजना है। यहां 50 हजार करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसमें सड़कें, फ्लाईओवर, गंगा रिवर फ्रंट, आईटी पार्क, नॉलेज पार्क, पर्यटन स्थल विकसित किए जाएंगे, जिनकी वजह से न सिर्फ दूसरे शहरों से लोग घूमने और पढ़ाई करने आएंगे, बल्कि नए उद्योग धंधे खुलने और रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। यह प्रस्ताव केडीए, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, सेतु निगम ने तैयार किया है। इसे दस दिन में मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत किया जाएगा।

शासन की ओर से कानपुर, मथुरा और मेरठ को नए शहर के रूप में विकसित करने की तैयारी है। वरियता सड़कों और फ्लाईओवर को दी जा रही है, जिससे जाम की स्थिति न हो और वाहन रफ्तार भर सकें। शहर में पार्किंग, वेंडिंग जोन के साथ ही न्यू जनरेशन इंडस्ट्री के रूप में आईटी, ईवी सहित पांच- छह औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। गंगा रिवर फ्रंट, लवकुश की नगरी बिठूर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करते हुए अयोध्या से जोड़ा जाएगा। इस पर बुधवार को केडीए में हुई बोर्ड बैठक के बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने जानकारी दी।

केडीए करेगा विकास कार्यों की शुरूआत

विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल ने बताया कि योजना के तहत विकास कार्यों की शुरूआत केडीए करेगा। न्यू कानपुर सिटी से सटे मैनावती मार्ग को मंधना- बैराज- मोहनलालगंज (लखनऊ) राज्य मार्ग से जोड़ने के लिए 800 मीटर लंबी सड़क बनाई जाएगी। केडीए डेढ़ हजार करोड़ से ज्यादा की सड़कें बनाएगा। वित्तीय सहयोग के लिए भी शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा। पहले अपने बजट से ही निर्माण शुरू कराएगा।

- पटना की तर्ज पर गंगा रिवर फ्रंट विकसित किया जाएगा।
- इसका विस्तार करते हुए बिठूर तक रिवर फ्रंट बनाया जाएगा।
- आईआईटी के पास नारामऊ में नॉलेज पार्क विकसित होगा।
- भीमसेन में एमएसएमई पार्क, मेडिसिटी पार्क बनाया जाएगा।
- इनर रिंग रोड निर्माण की संभावनाएं तलाशी जाएंगी।

बेहतर ट्रैफिक के लिए बनेंगी समानांतर सड़कें

यातायात समस्या और जाम से निजात दिलाने का खाका खींचा जा रहा है। फ्लाईओवर में ज्यादा लागत आती है, इसलिए शासन की मंशा है कि मास्टर प्लान मार्गों के साथ ही प्रमुख मार्ग चौड़े किए जाएं। समानांतर सड़कें और जहां संभव हो, वहां नई सड़कें बनाई जाएं। कानपुर के साथ ही कानपुर देहात में आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग को झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने के लिए पांच किलोमीटर लंबी चार लेन की सड़क बनेगी।

इंजन फेल होने से सात घंटे ठप रहा 33 ट्रेनों का संचालन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। इंजन में खराबी की वजह से बुधवार को दिल्ली रूट पर करीब सात घंटे तक ट्रेनों का संचालन ठप रहा। कंचौसी रेलवे स्टेशन से करीब दो किमी पहले नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस का इंजन फेल हो गया था। करीब 33 ट्रेनों पर इसका असर पड़ा। इस कारण ट्रेन में फंसे यात्री खानपान का सामान व पानी न मिलने से परेशान हो गए।

नई दिल्ली से न्यू जलपाईगुड़ी जा रही नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस बुधवार दोपहर करीब 12:18 बजे फफूंद से रवाना हुई। ट्रेन के अचानक खड़े हो जाने पर लोको पायलट ने नीचे उतरकर जांच की और कंट्रोल रूम को सूचना दी। ट्रेन को शंटिंग कर लूप लाइन तक लाने में करीब सात घंटे लग गए।

दिल्ली से कानपुर सेंट्रल आने वाली कालका मेल, संपर्कक्रांति, महानंदा समेत 33 ट्रेनें कंचौसी से गाजियाबाद के बीच अलग-अलग ट्रैक पर खड़ी हो गईं। ट्रेनों की लेटलतीफी की वजह से सेंट्रल पर यात्री परेशान रहे। करीब सात घंटे बाद 06:20 बजे ट्रेन में दूसरा इंजन लगाकर रवाना किया गया। इस कारण करीब 2211 यात्रियों ने अपने टिकट रद्द कराए।

बिजली समस्याओं को लेकर केस्को एमडी से मिले सपा नेता

विधायक अमिताभ बाजपेई ने कहा कि बिजली समस्याओं का समाधान नहीं होने से जनता को हो रही परेशानी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेई एवं छावनी विधायक मो. हसन रूमी अपने पार्षद साथियों के साथ केस्को एमडी सैमुअल पॉल एन से मिलकर बिजली समस्याओं से अवगत कराया एवं जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान बेतहाशा फाल्ट एवं अघोषित बिजली कटौती, अंडरग्राउंड केबल एबीसी कंडक्टर के अधूरे पड़े कार्य, खराब स्मार्ट मीटर, फॉल्ट रिपेयरिंग मोबाइल वैन की जगह हाथ गाड़ी का इस्तेमाल किया जा रहा है जिससे विलंब होता है, टोल फ्री नंबर एवं हेल्प डेस्क लाइन नंबर जल्दी उठता नहीं है

समस्या जल्दी दूर नहीं हो रही। रेड टीम का भ्रष्टाचार/ टीम के पास बॉडीवार्न कैमरा होना चाहिए पेयजल सप्लाई टाइम पर स्पेशल फोकस। सपा नेताओं ने कहा कि ज्यादातर बिंदुओ पर अधिकारियों ने सहमति जताते हुए समस्या निस्तारण का वादा किया। साथ में नीरज सिंह, कृष्ण शर्मा पार्षद साथी- मो. सारिया, रजत बाजपेई, सुशील तिवारी, फैजान रहमान, मो. अली, फखर आलम, अकील शानू, मेराज आलम, पूर्व पार्षद- हरीओम पांडे, जावेद जमील,

चंकी गुप्ता, सुरभित जायसवाल, दुर्गेश चक, मर्फी, पुण्य जैन, प्रशांत जायसवाल, सचिन यादव, आकाश यादव आदि रहे।

मोबाइल हैक कर शिक्षक से 45 हजार ठगे, पीड़ित ने दर्ज कराई रिपोर्ट

कानपुर (कल्याणपुर में साइबर ठगों ने शिक्षिका का मोबाइल हैक कर उसके साथी शिक्षक को मैसेज कर 45 हजार रुपये मांगे। साथी शिक्षक ने बताए गए नंबर पर पैसे भेज दिए। फोन हैक होने की जानकारी हुई तब पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित ने बुधवार को कल्याणपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

केशवपुरम निवासी शिक्षक मनीष कुमार यादव ने बताया कि 26 मार्च को उनके साथ कार्यरत शिक्षिका वंदना अग्रवाल के नाम से व्हॉट्सएप मैसेज आया। इसमें 45 हजार रुपये की सख्त जरूरत बताई गई। पैसे ट्रांसफर करने को कहा गया। मनीष ने बताए गए नंबर पर 45 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। थोड़ी देर बाद वंदना की सहकर्मी अंकिता पांडे ने फोन कर मनीष को वंदना का फोन हैक होने की जानकारी दी। ठगी की जानकारी होने पर कल्याणपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। इंस्पेक्टर सुधीर कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में सिलेंडर में लगी आग, गृहस्थी जलकर खाक,कोई जनहानि नहीं हुई, जांच शुरू

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नरवल थाना फायर स्टेशन प्रभारी ओम प्रकाश ने बताया कि पीड़ित द्वारा कंट्रोल रूम को सूचना दी गई थी, जहां से दमकल की टीम व ग्रामीणों के द्वारा काबू पा लिया गया है। कोई जनहानि नहीं हुई है।

कानपुर में महाराजपुर थाना क्षेत्र के सरसौल रेलवे स्टेशन किनारे रहने वाले विजय सविता पुत्र स्व. शिव बहादुर के आवास में संदिग्ध परिस्थितियों में खाना बनाते वक्त सिलेंडर में आग लग गई। किसी तरह घर में मौजूद लोगों ने भागकर जान बचाई, लेकिन आग की चपेट में आने से एक मोबाइल सहित लाखों की गृहस्थी राख हो गई।

पीड़ित विजय ने बताया कि 13 दिन पहले पिता की मृत्यु हो गई थी, जिनकी गुरुवार को तेरहवीं होनी थी। तेरहवीं के दौरान घर पर आए रिश्तेदारों के लिए छोटे भाई सुनील की पत्नी शोभा घर पर खिचड़ी बना रही थी। इसी दौरान सिलेंडर लीक होने से रेगुलेटर के पास आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया।

इसके बाद परिजनों ने भाग कर जान बचाई, लेकिन घर के अंदर रखे एक मोबाइल और हजारों की गृहस्थी जलकर राख हो गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम और ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। नरवल थाना फायर स्टेशन प्रभारी ओम प्रकाश ने बताया कि पीड़ित द्वारा कंट्रोल रूम को सूचना दी गई थी, जहां से हम लोगों को सूचना मिली आग पर ग्रामीणों व फायर की टीम द्वारा काबू पा लिया गया है। कोई जनहानि नहीं हुई है।

हाईवे किनारे खड़े डंपर में पीछे से जा घुसा टैंकर, परिचालक की मौत

बीपीएस न्यूज

कानपुर (चकेरी थानाक्षेत्र के नौबस्ता-रामादेवी हाईवे पर बुधवार सुबह चालक को झपकी आने की वजह से टैंकर खड़े डंपर में पीछे से जा घुसा। हादसे में टैंकर के परिचालक की मौत हो गई, जबकि चालक घायल हो गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने चालक के परिजनों को सूचना देकर उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

इधर हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे कराकर यातायात सामान्य कराया नौबस्ता-रामादेवी हाईवे पर टैंकर नौबस्ता से रामादेवी की ओर जा रहा था। कालिका होटल व नौबस्ता के बीच में चालक को अचानक झपकी आ गई। इससे टैंकर हाईवे किनारे खड़े डंपर में पीछे से जा घुसा। हादसे में टैंकर का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और चालक व परिचालक केबिन में फंस गए। सूचना पाकर पहुंची चकेरी पुलिस ने चालक व परिचालक को निकालकर कांशीराम अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने परिचालक को मृत घोषित कर दिया। चालक का इलाज चल रहा है।

मृतक की पहचान मथुरा के बलदेव सलेमाबाद निवासी विजय पाल सिंह (32) के रूप में हुई। वहीं, गंभीर हालत में मथुरा के महावन नगला रतिया निवासी चालक हरिओम सिंह को हैलट अस्पताल रेफर किया गया है। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व प्रधान पर हमले को लेकर समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल पहुँचा गांव, पीड़ित परिवारों से की मुलाकात

कानपुर। बिल्हौर विधानसभा बिल्हौर ब्लॉक के ग्राम खासपुर के पूर्व प्रधान अशोक कटियार पर विगत दिनों हुए प्राणघातक हमले के मामले में अभी तक दोषियों की गिरफ्तारी न होने से गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। बताया जा रहा है कि हमलावरों को भाजपा नेताओं का संरक्षण प्राप्त होने के कारण पुलिस प्रशासन द्वारा गिरफ्तारी एवं कठोर कार्यवाही में लगातार ढिलाई बरती जा रही है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए आज समाजवादी पार्टी कानपुर ग्रामीण का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल पूर्व विधायक एवं जिला अध्यक्ष मुनीन्द्र शुक्ला के नेतृत्व में गांव पहुँचा। प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और घटनास्थल का निरीक्षण कर सभी विवादों से संबंधित एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की, जिसे उच्चाधिकारियों तक पहुँचाकर पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व सांसद राजाराम पाल,पूर्व जिला अध्यक्ष निर्भय सिंह यादव जिला महासचिव जितेन्द्र कटियार,जिला उपाध्यक्ष श्यामसुंदर यादव शाहीर हुसैन जाफरी, विकास कटियार, जिला सचिव प्रदीप यादव, अजीत यादव महिला सभा जिला अध्यक्ष अर्चना रावल, सुनीता वर्मा प्रदेश महासचिव महिला सभा-पटेल नीता सचान,प्रदेश सचिव युवजन सभा आशीष यादव 'चटरु', प्रदेश सचिव अनिल कटियार जिला पंचायत सदस्य- मुरारीलाल पाल, कार्तिकेय शुक्ला ब्लॉक अध्यक्ष- शिवराजपुर शैलेन्द्र यादव, ककवन - भारत सिंह यादव अन्य प्रमुख सरफराज आलम,राकेश यादव, उपदेश यादव, शौर्य यादव, डब्लू दुबे, राजेश यादव, बब्लू यादव, बालेन्द्र यादव, हिमांशु पाल, अरशद सिद्की (बिल्हौर नगर अध्यक्ष), कुलदीप, ऋषभ यादव, तिलक सिंह, दशरथ सिंह, पप्पू पहलवान, सोनू यादव, प्रदीप सविता, अफसर अली आदि।

पीएम से मुलाकात करने वालों की सूची में अपराधी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पीएम से अपराधियों की मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने पर सपा और कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। नगर ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संदीप शुक्ला ने कहा कि भाजपा अपराधियों की वॉशिंग मशीन बन मुकदमे खत्म करवाकर प्रधानमंत्री से मुलाकात करवा रही है हिस्ट्रीशीटर रहे भाजपा नेता संदीप ठाकुर की प्रधानमंत्री से मुलाकात करने वालों की सूची पर सवाल उठ रहे हैं। संदीप के अलावा भाजयुमो के प्रदेश मंत्री अरविंद राज त्रिपाठी और पार्टी के कानूनी एवं विधिक विषय विभाग के पदाधिकारी वीरेंद्र दुबे ने भी प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी। दोनों काकादेव और सीसामऊ थाने के हिस्ट्रीशीटर हैं (सामान्य तौर पर पीएम से मुलाकात करने वालों का पुलिस सत्यापन किया जाता है।

हालांकि कानपुर दौरे पर इस नियम को ताक पर रख दिया गया। बिना सत्यापन इन नामों को एसपीजी को दे दिया गया। अब जिम्मेदार अपना पल्ला झाड़ने में जुटे हैं। एडिशनल सीपी का कहना है कि मुलाकात करने वालों की सूची जिला प्रशासन से मिली थी।

अपराधियों के पदाधिकारी बनने के सवाल पर साध ली चुप्पी

एडीएम सिटी राजेश कुमार का कहना है कि भाजपा से जो सूची मिली, उसे आगे बढ़ा दिया गया। आपराधिक सत्यापन हमारा काम नहीं है।

वहीं, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि संदीप, अरविंद और वीरेंद्र पदाधिकारी हैं। इसी नाते उनके नाम प्रशासन को भेजे गए। अपराधियों के पदाधिकारी बनने के सवाल पर वह चुप्पी साध गए।

पीएम से अपराधियों की मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने पर सपा और कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। नगर ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संदीप शुक्ला ने कहा कि भाजपा अपराधियों की वॉशिंग मशीन बन मुकदमे खत्म करवाकर प्रधानमंत्री से मुलाकात करवा रही है। वहीं, सपा के जिलाध्यक्ष फजल महमूद ने कहा कि भाजपा का असली चेहरा यही है। कहा कि वह बात राष्ट्रवाद की करते हैं और अपराधियों को साथ बिठाते हैं। कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि हिस्ट्रीशीटर का प्रधानमंत्री से मिलना भाजपा के चरित्र को उजागर करता है।

45 से 60 वर्ष के लोगों को होता है अधिक तनाव, डायबिटीज हो जाती है अनियंत्रित, होने लगते हैं दूसरे रोग

कानपुर। 45 साल से 60 वर्ष के बीच की उम्र ऐसी है, जिसमें लोगों को सबसे अधिक तनाव होता है। इस वर्ग के डायबिटिक लोगों में सबसे अधिक ब्लड शुगर लेवल बढ़ा मिला है। इस उम्र में डायबिटीज अनियंत्रित रहने के साथ दूसरे रोग होने लगते हैं। यह तथ्य इंडोक्रोनोलॉजी क्लीनिक के सैंपल सर्वे में सामने आया है। इसके मुख्य कारणों में तनाव, खानपान, इलाज में लापरवाही और व्यायाम की कमी मिली है।

सैंपल सर्वे में पाया गया कि 45 साल से कम और 60 साल से अधिक आयु के रोगी अधिक सतर्क रहते हैं। डायबिटीज को नियंत्रित रखने के लिए अधिक ध्यान देते हैं। 45 साल से कम वाले व्यायाम पर अधिक ध्यान देते हैं। 60 साल से अधिक वाले खानपान नियंत्रित रखते हैं और दवाओं को लेकर सजग रहते हैं। इसके बीच वाला रोगियों का तबका सबसे अधिक रोग प्रभावित रहता है।

डायबिटीज के रोगियों में एक जैसी स्थिति मिली

रोगियों की डायग्नोसिस तैयार करने में उनका खानपान और दिनचर्या का भी ब्योरा लिया गया। 45 से 60 वर्ष आयु वाले रोगी डॉक्टर को फीड बैक देने में भी लापरवाही बरतते हैं। इनकी पैथोलॉजिकल जांचों में भी अधिक गड़बड़ी मिलती है। मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के इंडोक्रोनोलॉजी क्लीनिक प्रभारी डॉ. विशाल कुमार गुप्ता ने बताया कि मल्टी सुपर स्पेशियलिटी और हैलट की मेडिसिन ओपीडी दोनों जगहों पर आने वाले डायबिटीज के रोगियों में एक जैसी स्थिति मिली है।

महीने में डायबिटीज के 300 रोगी आते हैं। इनमें 50 फीसदी रोगी 45 से 60 वर्ष आयु वर्ग के होते हैं। इनका ब्लड शुगर लेवल अनियंत्रित मिलता है। इनकी हिस्ट्री से पता चला कि इस आयु वर्ग के रोगी सबसे अधिक मानसिक तनाव में रहते हैं। इसके साथ ही इन पर काम का दबाव अधिक होता है। इनका खानपान बिगड़ा रहता है। इसके अलावा इस उम्र में पैंक्रियाज में बीटा कोशिकाओं की संख्या बहुत कम हो जाती है। 50 प्रतिशत बीटा सेल क्षतिग्रस्त होने के बाद ब्लड शुगर लेवल बढ़ता है। इंसुलिन रिसिस्टेंट भी बढ़ जाता है, इससे ग्लूकोज की खपत नहीं हो पाती।

इसलिए होता है अधिक तनाव

इस आयु वर्ग के लोग सेहत को लेकर चिंतित जरूर रहते हैं लेकिन परहेज नहीं कर पाते। काम के अलावा बच्चों के भविष्य को लेकर इनको चिंता सबसे अधिक होती है। इस वर्ग के लोगों पर उनके बुजुर्ग माता-पिता की भी जिम्मेदारी रहती है। साथ ही सेवानिवृत्ति की उम्र को नजदीक देख उनका स्ट्रेस लेवल बढ़ा रहता है।

पहले बनाता था धार्मिक वीडियो, लोकप्रिय होने के लिए बनाने लगा अश्लील वीडियो, शांति भंग में हुआ चालान

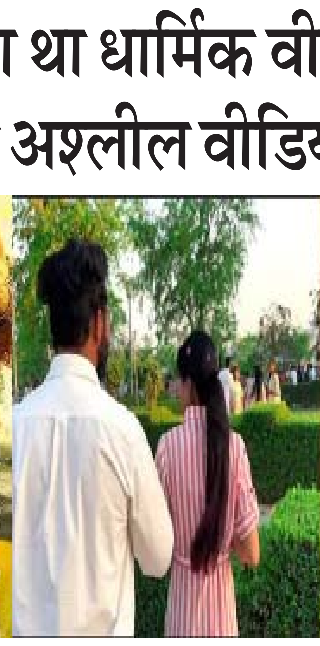

बीपीएस न्यूज

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में छात्राओं को गले लगने के लिए बोलकर वीडियो बनाने वाले युवक का पुलिस ने शांतिभंग में चालान कर दिया। प्रसून पंडित नाम की इस आईडी से युवक के कई वीडियो वायरल हुए थे। युवक पहले धार्मिक वीडियो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल करता था। हालांकि अधिक लोकप्रिय होने के लिए उसने अश्लील वीडियो बनाना शुरू कर दिया।

कल्याणपुर थाना प्रभारी सुधीर कुमार ने बताया कि कल्याणपुर निवासी प्रसून तिवारी की प्रसून पंडित नाम से इंस्टाग्राम आईडी है। तीन दिन कानपुर यूनिवर्सिटी का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें युवक छात्राओं से गले लगने की बात कर रहा था। युवक बोल रहा है कि उसे टास्क मिला है कि अगर वो किसी युवती को गले लगाएगा तो उसके बदले 500 रुपये मिलेंगे। यूनिवर्सिटी के एक छात्रनेता ने कल्याणपुर थाने में युवक के खिलाफ तहरीर दी थी। पुलिस को पूछताछ में युवक ने बताया कि पहले वह धार्मिक गीतों पर वीडियो बनाता था लेकिन इसमें फॉलोअर्स नहीं बढ़ रहे थे।

इसलिए दिल्ली के पैटर्न पर वीडियो बनाने का विचार आया। यूट्यूब पर इस तरह के कई वीडियो पड़े हुए हैं। युवक ने हाल ही में कानपुर विश्वविद्यालय, इस्कॉन मंदिर, चिड़ियाघर, मोतीझील सहित शहर के कई जगह के वीडियो अपलोड किए हैं। इसमें युवतियों से गले लगने के लिए और उन्हें गर्लफ्रेंड बनाने को प्रपोज करना जैसे कई तरह के वीडियो शामिल हैं। छात्रनेता के तहरीर देने पर युवक ने कई वीडियो डिलीट कर दिए हैं। बताया कि इस तरह के वीडियो से माहौल खराब होता है इसलिए युवक का शांति भंग में चालान किया है।

बाहरी छात्र ने विवि में बनाई रील तो होगी कानूनी कार्रवाई

छत्रपति शाहूजी महाराज विवि में अब कोई भी बाहरी छात्र रील बनाते मिला तो उस पर कानूनी कार्रवाई होगी। वहीं, विवि के छात्रों को पहले अनुमति लेनी होगी। बिना अनुमति वीडियो बनाने या उसे सोशल मीडिया पर अपलोड करने पर कार्रवाई की जाएगी। यह बात शनिवार को सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहीं। उन्होंने कहा कि कैंपस के छात्र बिना अनुमति अगर ऐसा करते हैं तो उसके खिलाफ अनुशासनहीनता की कार्रवाई होगी। इसकी निगरानी के लिए चीफ प्रॉक्टर की देखरेख में एक कमेटी गठित की गई है। कैंपस के छात्रों पर संबंधित विभागाध्यक्ष व चीफ प्रॉक्टर की टीम जांच कर नियमावली के अनुसार कार्रवाई करेगी। विवि का छात्र न होने की स्थिति में चीफ प्रॉक्टर या सुरक्षा अधिकारी कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस को पत्र लिखेंगे।

मसाला थूकते समय दो मंजिल से गिरा युवक, मौत से मचा कोहराम

कानपुर। रात में मसाला थूकते समय संतुलन बिगड़ने से युवक दूसरी मंजिल से नीचे गिर गया। कांशीराम अस्पताल में उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र के सतबरी रोड निवासी प्राइवेट कर्मी रामनरेश ने बताया कि परिवार में पत्नी बीना और दो बच्चे ऋषि मिश्रा उर्फ राज (21) व खुशी हैं। ऋषि इंटर पास करने के बाद किराना दुकान में काम करता था। रामनरेश के अनुसार, शुक्रवार को बिजली न आने पर बेटा दूसरी मंजिल पर सोने गया था (रात करीब 1.30 बजे अंधेरे में बालकनी से मसाला थूकने गया, जहां संतुलन बिगड़ने से नीचे आ गिरा। परिजनों ने बताया कि घुटनों के बराबर बाउंड्रीवाल बनी हुई है। लेकिन अंधेरे के कारण वह देख नहीं पाया और हादसे का शिकार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव को परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

मासूमों के सामने महिला ने लगा लिया फंदा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। रावतपुर थानाक्षेत्र में पति को मीट खरीदकर लाने के बहाने भेजकर पत्नी ने दो मासूमों के सामने फंदे से लटककर जान दे दी। घंटे भर बाद सामान लेकर पति लौटा तो मासूम ने किसी तरह तसले पर खड़े होकर दरवाजा खोला। कमरे में पहुंचा जहां शव फंदे से लटकता मिला। पुलिस ने जांच कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया (जिला उन्नाव के थाना बांगरमऊ के सिद्धपुर पलसिया निवासी सूरज कुशवाहा मजदूरी करता है। बताया कि चार माह पहले वह रावतपुर के राणा प्रतापनगर में राकेश के मकान में किराये पर रहने आया था। परिवार में पत्नी रोशनी (23), बेटा कृष्णा और सितांश हैं। उसने बताया कि शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे पत्नी ने उन्हें 100 रुपये देकर चिकन और बर्फ लाने को कहा। इस पर वह बाजार चला गया।

वह एक घंटे बाद लौटा तो दरवाजा बंद था। पत्नी को 16 कॉल की लेकिन फोन नहीं उठा। इसके बाद कमरे से बच्चों के रोने की आवाज आने लगी। दरवाजा खटखटाने पर बड़े बेटे कृष्णा ने तसले पर खड़े होकर दरवाजे की कुंडी खोली। बच्चों को रोता देख वह अंदर कमरे में पहुंचा जहां पत्नी का शव रस्सी के सहारे पंखे से लटक रहा था। सूरज के अनुसार घर में किराये के कमरे में पहले भी दो महिलाएं आत्महत्या कर चुकी हैं। 10 दिन पहले पत्नी ने कहा था कि उसे कोई दिखता है और कहता है कि पूजा कराओ। कुछ समय पहले पूजा भी कराई थी। रावतपुर थाना प्रभारी केके मिश्रा ने बताया कि घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण मौके पर मौजूद रहकर ईद-उल-अज़हा की नमाज़ को सकुशल कराया संपन्न

पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी द्वारा ईद-उल-अज़हा/बकरीद के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर थाना क्षेत्र बाबूपुरवा स्थित बगाही ईदगाह व थाना नौबस्ता स्थित मछरिया ईदगाह का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने ईदगाह परिसर एवं आस-पास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं का जायजा लिया। पुलिस उपायुक्त ने नमाज़ अदा किए जाने के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए इस दौरान पुलिस उपायुक्त ने सुरक्षा कर्मियों को सतर्क रहने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए तत्पर रहने के निर्देश दिए।

गढ़ी लूट की कहानी, पुलिस ने खोजा तो पता चला ग्राम विकास अधिकारी ही नहीं है युवक, जांच में कई खुलासे हुए

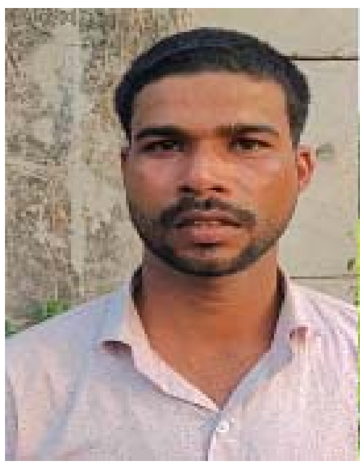

बीपीएस न्यूज

हरदोई । बेहटागोकुल थाना क्षेत्र के सिधौली गांव निवासी युवक तकरीबन 18 घंटे तक परिजनों और पुलिस के लिए परेशानी का सबब बना रहा। शनिवार सुबह एक खेत में पड़े मिले युवक ने लूट की कहानी गढ़ी, लेकिन पुलिस की जांच में नए-नए राज खुल गए। जांच के दौरान ही पता चला कि युवक खुद को ग्राम विकास अधिकारी बताकर पिछले आठ माह से परिजनों और रिश्तेदारों को भी बरगला रहा था।

सिधौली निवासी सनोज कुमार राठौर खुद को ग्राम विकास अधिकारी बताता था। तैनाती शाहजहांपुर में होने की जानकारी परिजनों को दी थी। शुक्रवार को वह ड्यूटी करने के लिए निकला। देर शाम तक वापस न आने पर परिजनों ने तलाश शुरू की और फिर कोई सुराग न मिलने पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया। शनिवार सुबह गांव से एक किलोमीटर दूर कल्लू के खेत में वह बेहोशी की हालत में पड़ा मिला। उसके मोबाइल की लोकेशन के आधार पर पुलिस ने उसे खोज निकाला। उसको मेडिकल कॉलेज हरदोई लाया गया।

मेडिकल में वह स्वस्थ मिला और शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले।

इस दौरान उसने पुलिस को बताया कि उसके पास से तीन लाख रुपये भी लूट लिए गए। यह रुपये शाहजहांपुर के स्टेट बैंक के ई-कॉर्नर से निकाले जाने का दावा उसने किया था।

पुलिस ने पड़ताल की तो पता चला कि सनोज शनिवार को शाहजहांपुर गया ही नहीं। वह लखनऊ में था और एक महिला से उसकी मुलाकात हुई थी। इसी बीच अधिकारियों ने उसके तैनाती जनपद शाहजहांपुर में संपर्क किया तो पता चला कि सनोज नाम का कोई कर्मचारी वहां तैनात नहीं है। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने बताया कि यह स्पष्ट है कि युवक के साथ न तो लूट हुई है और न ही मारपीट। वह झूठ क्यों बोल रहा है और परिजनों को नौकरी में होने की जानकारी क्यों दी, इसको लेकर जांच की जा रही है।

विश्वस्त सूत्र बताते हैं कि सनोज ने नवंबर 2024 में ग्राम विकास अधिकारी के पद पर नौकरी लग जाने की बात परिजनों को बताई थी। तब उसने बताया था कि तिलहर विकास खंड में उसे तैनाती दी गई है।

तब से वह रोज ट्रेन से शाहजहांपुर जाता था। आमतौर पर बरेली बनारस एक्सप्रेस ट्रेन से वह वापस आता था। परिजनों को भी शनिवार को ही पता चला कि वह ग्राम विकास अधिकारी नहीं है। परिजन भी हतप्रभ हैं। इस सबके बीच पुलिस को उसका फर्जी नियुक्ति पत्र भी मिला है।

बेकाबू वाहनों की रफ्तार से पांच लोगों की गई जान, अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए हादसे

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में बेकाबू वाहनों की रफ्तार से हुए हादसों में पांच लोगों की जान चली गई। पुलिस ने परिजनों को हादसे की जानकारी देकर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। सचेंडी थानाक्षेत्र के किसाननगर में शुक्रवार देर रात भैरमपुर पुल पर लालेहपुर गांव निवासी प्रकाश गौतम के बेटे रामवीर (25) को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। राहगीर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मोबाइल से परिजनों को हादसे की जानकारी दी। रामवीर के बड़े भाई सिद्धिलाल ने बताया कि वह तीन भाइयों में छोटा था। एक प्राइवेट कंपनी में लोडिंग का काम करता था।इसी प्रकार बिठूर थानाक्षेत्र में चौबेपुर के तातियागंज निवासी अजय कुमार के बेटे ओनिल (23) को शुक्रवार देर रात रामनगर के पास किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। पिता के अनुसार अनिल अपनी फुटवियर शॉप से वापस आ रहा था। आरोप लगाया कि बेटा आधा घंटे तक घटनास्थल पर पड़ा तड़पता रहा लेकिन किसी ने उसे अस्पताल नहीं पहुंचाया। क्षेत्रीय लोगों ने सड़क पर युवक को पड़ा देख हादसे की सूचना पुलिस को दी, तब उन लोगों को जानकारी हो सकी। बताया कि सालभर पहले ही ओनिल की शादी हुई थी। पत्नी पूजा और तीन माह का बेटा है।

वहीं, चकेरी थानाक्षेत्र में आरकेपुरम सनिगवां निवासी बाल सागर विश्वकर्मा की बेटी सुनीता (30) को किसी अज्ञात वाहन ने हाईवे पर टक्कर मार दी। वह प्रैक्टिकल देने नौबस्ता जा रही थी। इसी तरह नजीराबाद के हर्षनगर निवासी वृद्ध प्रकाश (66) बुधवार को बहू रीना के मायके जा रहे थे। नरवल मोड़ पर किसी तेज रफ्तार वाहन ने कुचल दिया। लोगों ने शिनाख्त का प्रयास किया लेकिन पहचान न होने पर शव को मॉर्च्युरी में रखकर व्हॉट्सएप ग्रुपों में मृतक की फोटो शेयर की गई। बाद तीन दिन बाद परिजन पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे और शिनाख्त की।

इसके अलावा बिधनू थानाक्षेत्र के दलनपुर निवासी किसान दयाराम (55) को शुक्रवार रात भवानीपुर के पास किसी वाहन ने टक्कर मार दी। परिजन पास के अस्पताल ले गए जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बेटे ने बताया कि वह सब्जी लेने के लिए निकले थे। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की मदद से वाहनों का पता लगा रही है।

खराब फ़ीडबैक वाले विभागों पर गिरेगी गाज, 83फीसदी तक नकारात्मक प्रतिक्रिया चिंताजनक

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह द्वारा आई.जी.आर.एस. संदर्भों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु कठोर निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने बैठक के दौरान आई.जी.आर.एस. (एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली) संदर्भों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुशासन की आधारशिला होने के नाते, जन-सामान्य का विश्वास और संतुष्टि सीधे तौर पर इन संदर्भों के प्रभावी समाधान से जुड़ी है।जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि दिनांक 03 जून, 2025 को शासन द्वारा प्रस्तुत मूल्यांकन रिपोर्ट में विभिन्न विभागों द्वारा निस्तारित संदर्भों के सापेक्ष प्राप्त नकारात्मक फीडबैक का प्रतिशत चिंताजनक रूप से उच्च पाया गया है। विशेष रूप से, कुछ विभागों में यह नकारात्मक फीडबैक 83 प्रतिशत तक दर्ज किया गया है, जो विभागीय कार्यप्रणाली में गंभीर शिथिलता और नागरिकों की अपेक्षाओं की घोर अनदेखी को दर्शाता है। जिलाधिकारी ने इस स्थिति को अत्यंत खेदजनक बताते हुए कहा कि यह कर्तव्य निर्वहन में स्पष्ट उदासीनता का द्योतक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह दर्शाता है कि संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा गंभीरतापूर्वक और गुणवत्तापरक ढंग से शिकायतों का निस्तारण नहीं किया गया है, अथवा उनके पर्यवेक्षणीय दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन नहीं किया गया है। इस गंभीर चूक के परिणामस्वरूप, जनपद की रैंकिंग प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई है, जिससे जिले की प्रशासनिक छवि को भी गहरा आघात पहुंचा है।

इस गंभीर विषय पर तत्काल संज्ञान लेते हुए, जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने अधीनस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों का दायित्व निर्धारण कर नियमानुसार आवश्यक एवं कठोर कार्यवाही सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पर शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले 7 विभागों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। साथ ही, इन विभागों को 10 जून 2025 तक संतोषजनक उत्तर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

उक्त विभागों की शिकायत निस्तारण प्रक्रिया पर प्राप्त फीडबैक अत्यधिक नकारात्मक रहा है, जिससे जनपद की रैंकिंग में गिरावट आई है और प्रशासनिक छवि धूमिल हुई है। विशेष रूप से, अनूप मिश्रा, अधिशासी अभियंता, प्रांतीय खंड, लोक निर्माण विभाग, द्वारा आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरती गई है और उन्हें शिकायतों की प्रकृति अनुसार 12 प्रकार के विकल्पों की जानकारी नहीं है।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि निर्धारित समय-सीमा तक संतोषजनक रिपोर्ट प्राप्त न होने की स्थिति में संबंधित अधिकारी के विरुद्ध बिना किसी विलंब के अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु शासन को प्रस्ताव प्रेषित कर दिया जाएगा। यह निर्देश सभी विभागों के अधिकारियों के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि आई.जी.आर.एस. के माध्यम से प्राप्त जन-शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करना सभी का कर्तव्य है।

सपाईयों ने किया मेट्रो ट्रेन से सफर, किया अखिलेश यादव को धन्यवाद

बीपीएस न्यूज

कानपुर। समाजवादी पार्टी विधायक अमिताभ बाजपेई, नसीम सोलंकी, मोहम्मद हसन रूमी ने पार्षद साथियों के साथ कानपुर मेट्रो की यात्रा की एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को धन्यवाद किया। विधायकों ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा समाजवादी सरकार में कार्यक्रम के दौरान कानपुर मेट्रो के कार्यों का श्री गणेश किया गया यह समाजवादी पार्टी के किए गए कार्यों को भाजपा सरकार अपना काम बात कर जनता को भ्रम में करे हुए इसलिए समाजवादी पार्टी के सभी विधायक और कार्यकर्ताओं ने मेट्रो ट्रेन से नवीन मार्केट से अंडरग्राउंड घंटाघर घंटाघर से रावतपुर रावतपुर से पुणे वापस नवीन मार्केट पर सफर करके अखिलेश यादव को धन्यवाद किया ।साथ में नीरज सिंह, पार्षद मो. सारिया, पार्षद रजत बाजपेई, फैजान रहमान, मोहम्मद अली, जावेद जमील, आफताब आलम भोलू, विकास कनौजिया आकाश सिंह, सुरभित जायसवाल, चंकी गुप्ता, फखर आलम, प्रशांत जायसवाल, पुण्य जैन, बाबी एहसास, शारिक सिद्दीकी आदि मौजूद रहे।

रावतपुर स्टेशन से कंपनी बाग चौराहे के डिपो तक दूसरी सुरंग भी बनीं

कानपुर। सरस्वती टीबीएम मशीन ने शनिवार को कॉरिडोर-2 में निर्माणाधीन रावतपुर भूमिगत मेट्रो स्टेशन से कंपनीबाग के पास डिपो रैंप तक 'डाउनलाइन सुरंग' का निर्माण पूरा कर लिया गया है। इस सुरंग में 441 रिंग लगाए गए हैं। रावतपुर से डबल पुलिया की तरफ गोमती और पार्वती नामक टीबीएम मशीनें मेट्रों सुरंग बनाने में जुटी हैं। यूपीएमआरसी के एमडी सुशील कुमार ने बताया कि अर्थ प्रेशर बैलेंस प्रणाली के तहत काम करने वाली मशीन ने सड़क पर चलने वाले यातायात को प्रभावित किए बिना पूरी सुरक्षा के साथ भूमिगत सुरंग बनाई हैं। जल्द ही रेलवे लाइन के दोनों तरफ मार्ग खुल जाएगा। इससे लोगों को राहत मिलेगी।

आम जनमानस को जागरूक करने हेतु गोष्ठी - खाद्य पदार्थ की सुरक्षा पर चर्चा

कानपुर। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर रामादेवी चौराहा स्थित मालिक गेस्ट हाउस में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश द्वारा भारत सेवक समाज, कानपुर मंडल, धनवंतरी सेवा समिति, आदर्श व्यापार मण्डल कानपुर नगर एवं रामादेवी व्यापार मण्डल कानपुर नगर के सहयोग से खाद्य कारोबार कार्यकर्ताओ व आम जनमानस को जागरूक करने हेतु एक जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में खाद्य जनित बीमारियों से बचाव हेतु महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

बच्चे फास्ट फूड की तरफ भाग रहे हैं हमें जागरूक करना है मोटा अनाज हमारे शरीर के लिए बहुत लाभदायक होता है, साघारण आटा की जगह मिक्स आटा जिसमे ज्वार, बाजरा आदि समान मिला होता है, हमें उसका उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार शर्मा, आशुतोष कुमार सिंह, सविता शर्मा, मंजरी मिश्रा, अजीत कुमार सिंह के साथ आयकर अधिकारी शरद प्रकाश अग्रवाल, सुखबीर सिंह मालिक, राकेश वर्मा, गोपी श्रीवास्तव, कृष्ण कुमार विश्नोई, अमित श्रीवास्तव, महेश वर्मा, रजत पांडेय, दीपक सोनी, दीपू मिश्रा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

महापौर प्रमिला पाण्डेय व पुलिस अधिकारीयों ने मिलकर गंगा को साफ़ रखने के लिए लोगों को किया जागरूक

कानपुर। महापौर प्रमिला पाण्डेय एवं पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में गंगा सफाई अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गंगा नदी की स्वच्छता, संरक्षण एवं जनजागरूकता हेतु आयोजित किया गया, जिसमें नगरवासियों को गंगा स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया गया।

इस अवसर पर संयुक्त पुलिस आयुक्त आशुतोष कुमार, पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल श्रवण कुमार सिंह, पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय कासिम आबिदी, पुलिस उपायुक्त पूर्वी सत्यजीत गुप्ता तथा सहायक पुलिस आयुक्त (लाइन) सुमित सुधाकर रामटेके सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हनीमून मनाने गये नये दूल्हा-दुल्हन लापता, क्षत विक्षत अवस्था में मिली पति की लाश

इंदौर की महिला सोनम रघुवंशी के मामले में एक बिना तारीख वाली ऑडियो बातचीत सामने आई है, जो मेघालय में अपने हनीमून के दौरान अपने पति के साथ लापता हो गई थी। माना जाता है कि यह क्लिप सोनम और उसकी सास के बीच बातचीत का आखिरी हिस्सा है, जब सोनम जंगल में ट्रैकिंग कर रही थी।मेघालय में पति की मौत के बाद लापता महिला का ऑडियो सामने आयाक्लिप में सोनम को यह कहते हुए सुना जा सकता है, हम अभी चढ़ाई कर रहे हैंज बाद में बात करेंगे, जिस पर उसकी सास ने जवाब दिया, आज तुम्हारा उपवास होगा। सोनम ने जवाब दिया, हां, यह है। लेकिन मैं सिर्फ़ इस सैर के लिए अपना उपवास नहीं तोड़ूंगा। सोनम ने खड़ी पहाड़ी और खराब परिस्थितियों के बारे में असहजता व्यक्त करते हुए बातचीत जारी रखी। सोनम ने कहा 卐हम घने जंगल में हैं, यहाँ कुछ भी उपलब्ध नहीं है। चढ़ाई खड़ी है। मैंने उसे (राजा) जाने से मना किया था, लेकिन वह कभी नहीं सुनता। मैं थक गयी हूँ। यहाँ का खाना भी अच्छा नहीं है। चलते समय साँस लेना मुश्किल है। एक अन्य क्लिप में, राजा रघुवंशी को अपनी माँ से बात करते हुए सुना जा सकता है। वह अपनी माँ को बताता है कि वे अभी-अभी [शिखर पर] पहुँचे हैं और फल खा रहे हैं। उसकी माँ ने उसे बताया कि वह उन्हें याद कर रही थी और पूछा, तुम पहाड़ पर क्यों गए? वीडियो क्यों नहीं शेयर किया? राजा ने जवाब दिया कि इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं है। फिर उसकी माँ पूछती है कि वे कब वापस आएँगे, जिस पर वह कहता है कि यात्रा के सिर्फ़ दो दिन बचे हैं।

क्या है पूरा मामला?

जून मेघालय में हनीमून यात्रा के दौरान इंदौर के एक नव दम्पति के लापता होने और इसके 11 दिन बाद पति की लाश मिलने के बाद इस व्यक्ति के परिजनों ने मंगलवार को सरकार से मांग की कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से इस रहस्यमय मामले की जांच करायी जाए। मेघालय के अधिकारियों के मुताबिक इंदौर निवासी ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम 23 मई को नोंग्रियाट गांव स्थित अतिथि गृह से निकलने के कुछ घंटे बाद ही लापता हो गए थे। उन्होंने बताया कि राजा रघुवंशी का शव सोमवार (दो जून) को पूर्वी खासी हिल्स जिले के सोहरा क्षेत्र (जिसे चेरापूंजी भी कहा जाता है) में एक झरने के पास गहरी खाई में मिला, जबकि उनकी पत्नी की तलाश जारी है।

अधिकारियों के मुताबिक नोंग्रियाट गांव उस जगह से 20 किलोमीटर की दूरी पर है जहां 29 वषीय ट्रांसपोर्ट कारोबारी का शव मिला और मेघालय पुलिस ने इस मामले में हत्या की प्राथमिकी दर्ज करते हुए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। राजा रघुवंशी के बड़े भाई सचिन रघुवंशी ने यहां संवाददाताओं से कहा,''यह मेरे भाई की हत्या का मामला है। मेरी सरकार से एक ही मांग है कि इसकी सीबीआई जांच कराते हुए रहस्य से पर्दा उठाया जाए।'' उन्होंने कहा,''मैंने अपने भाई (राजा) को खो दिया है, लेकिन मैं अपनी बहू सोनम को नहीं खोना चाहता। सरकार किसी भी हालत में मेरी बहू को ढूंढे। मैं शुरुआत से मांग कर रहा हूं कि खोज अभियान में सेना की मदद ली जाए।''पति की हत्या की सीबीआई जांच कराई जाए = परिजन

सचिन ने बताया कि उनके भाई राजा के शव की स्थिति इतनी बिगड़ चुकी थी कि चेहरे से इसकी पहचान मुश्किल थी। उन्होंने बताया,''मेरे भाई के हाथ पर गोदने के रूप में उसका नाम राजा लिखा था। चूंकि मेघालय में बारिश बहुत होती है, इसलिए वह मेरी 'वॉटरप्रूफ स्मार्टवॉच' पहनकर वहां घूमने गया था। जब वह मृत हालत में मिला, तब यह घड़ी उसकी कलाई पर बंधी थी। इससे भी उसकी शिनाख्त में मदद मिली।'' सचिन ने यह बात दोहराई कि उन्हें मेघालय में अपने भाई की कथित हत्या और उसकी पत्नी की गुमशुदगी को लेकर स्थानीय होटल-रेस्तरांओं के कर्मचारियों, गाइडों और किराये पर दोपहिया वाहन देने वाले लोगों पर संदेह है और पुलिस को इनसे सख्ती के साथ पूछताछ करनी चाहिए।

राजा रघुवंशी का परिवार यहां ट्रांसपोर्ट के कारोबार से जुड़ा है। राजा रघुवंशी की सोनम से शादी 11 मई को हुई थी और वे 20 मई को हनीमून के वास्ते मेघालय के लिए गये थे। मेघालय के अधिकारियों के मुताबिक नव दम्पति 22 मई को किराये के स्कूटर पर मावलखियात गांव पहुंचे थे। उन्होंने अपना स्कूटर खड़ा किया और नोंग्रियाट गांव में प्रसिद्ध 'लिविंग रूट ब्रिज' देखने गए, जहां वे रात भर ठहरे और अगली सुबह रवाना हो गए। मेघालय पुलिस ने बताया कि नव दम्पति का स्कूटर शिलांग से सोहरा जाने वाली सड़क के किनारे एक कैफे में 24 मई को लावारिस हालत में मिला जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से शुरुआती तलाशी अभियान की योजना बनाई गई थी।स्थानीय ग्रामीणों की मदद से 24 मई को तलाशी अभियान शुरू किया गया। 3 जून को राजा का शव सोहरा के पास एक घाटी से बरामद किया गया। उसके भाई ने उसके दाहिने हाथ पर बने टैटू से उसकी पहचान की जिस पर 卐राजा卐 लिखा था। घटनास्थल पर पुलिस ने एक महिला की सफेद शर्ट, दवा की एक पट्टी, मोबाइल फोन की स्क्रीन के कुछ हिस्से और एक स्मार्टवॉच भी बरामद की। हत्या का मामला दर्ज किया गया है। 30 मई को अत्यधिक बारिश और खराब दृश्यता के कारण खोज और बचाव प्रयासों में देरी हुई, लेकिन स्थिति में सुधार के बाद इसे फिर से शुरू किया गया। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (ह्ष्ठक्रस्न) आज ऑपरेशन में शामिल हो गया। खोज जारी रहने के कारण सोनम रघुवंशी का पता नहीं चल पाया है।

जनगणना की आ गई तारीख, हर घर पहुंचकर कास्ट भी पूछा जाएगा

गृह मंत्रालय (एमएचए) ने कहा कि राष्ट्रीय जाति जनगणना और जाति गणना की प्रक्रिया 1 अक्टूबर, 2026 से शुरू होने की संभावना है। मोदी सरकार जाति जनगणना को दो चरणों में कराने की योजना बना रही है। लगभग 94 वर्षों के बाद पूरे देश में जाति जनगणना होगी। राष्ट्रीय जनगणना दो चरणों में की जाएगी। उत्तर के पहाड़ी क्षेत्रों में सबसे पहले। सूत्रों ने बताया कि लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में जनगणना 1 अक्टूबर 2026 से शुरू होगी।

जाति जनगणना दो चरणों में की जाएगी। जाति जनगणना की शुरुआत चार पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश से 1 अक्टूबर, 2026 से होगी। अन्य राज्यों में यह प्रक्रिया 1 मार्च, 2027 से शुरू होगी। गृह मंत्रालय ने कहा कि जातियों की गणना के साथ-साथ जनसंख्या जनगणना-2027 को दो चरणों में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। जनसंख्या जनगणना-2027 के लिए संदर्भ तिथि मार्च, 2027 के पहले दिन 00⁻00 बजे होगी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के गैर-समकालिक बर्फीले क्षेत्रों के लिए संदर्भ तिथि अक्टूबर, 2026 के पहले दिन 00.00 बजे होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 30 अप्रैल, 2025 को राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति ने इस फैसले को मंजूरी दी थी। सूचना मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि जनगणना का काम पारदर्शी तरीके से किया जाएगा।मंत्रालय ने आगे कहा कि भारत की जनगणना जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990 के प्रावधानों के तहत की जाती है। भारत की पिछली जनगणना 2011 में दो चरणों में की गई थी, अर्थात् द्व) चरण ढ्ढ - हाउस लिस्टिंग (एचएलओ) (1 अप्रैल से 30 सितंबर 2010) और (द्वद्व) चरण ढ्ढढ्ढ - जनसंख्या गणना (पीई) (09 फरवरी से 28 फरवरी 2011) संदर्भ तिथि - मार्च 2011 के पहले दिन 00⁻00 बजे, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के बर्फ से ढके गैर-समकालिक क्षेत्रों को छोड़कर, जिसके लिए यह 11 से 30 सितंबर 2010 के दौरान संदर्भ तिथि के साथ अक्टूबर 2010 के पहले दिन 00.00 बजे आयोजित किया गया था। जनगणना 2021 को भी इसी तरह दो चरणों में आयोजित करने का प्रस्ताव था, पहला चरण अप्रैल-सितंबर 2020 के दौरान और दूसरा चरण फरवरी 2021 में आयोजित किया जाना था। 2021 में आयोजित की जाने वाली जनगणना के पहले चरण की सभी तैयारियां पूरी हो गई थीं ?

नकदी बरामदगी मामला: संसद में बर्खास्तगी से बचने के लिए जस्टिस वर्मा के सामने इस्तीफा ही एकमात्र विकल्प

नयी दिल्ली। नकदी बरामदगी के मामले में फंसे इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ संसद में बर्खास्तगी प्रस्ताव लाने की सरकार की तैयारी के बीच, उनके सामने एकमात्र रास्ता इस्तीफा देना रह गया है।

सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति और बर्खास्तगी की प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि यदि जस्टिस वर्मा किसी भी सदन में अपनी सफाई देते समय यह घोषणा कर दें कि वे पद छोड़ रहे हैं, तो मौखिक रूप से दिया गया उनका बयान भी इस्तीफा माना जाएगा।

अगर वर्मा इस्तीफा देते हैं, तो उन्हें हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश को मिलने वाली पेंशन और अन्य लाभ मिलेंगे। लेकिन यदि संसद उन्हें बर्खास्त करती है, तो वे इन लाभों से वंचित रह जाएंगे।

संविधान के अनुच्छेद 217 के अनुसार, कोई भी हाईकोर्ट जज 'राष्ट्रपति को संबोधित हस्तलिखित पत्र देकर अपना पद त्याग सकता है'। इस पत्र के लिए किसी अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होती, सिर्फ एक साधारण इस्तीफा पर्याप्त होता है। न्यायाधीश भविष्य की किसी तारीख को भी पद छोड़ने की घोषणा कर सकते हैं, और अंतिम कार्यदिवस से पहले वे अपना इस्तीफा वापस भी ले सकते हैं।

न्यायाधीश को पद से हटाने का दूसरा रास्ता संसद द्वारा बर्खास्तगी है। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर जस्टिस वर्मा को पद से हटाने की सिफारिश की थी। यह सिफारिश तीन न्यायाधीशों की इन-हाउस समिति की जांच रिपोर्ट पर आधारित थी।सूत्रों के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश खन्ना ने वर्मा को इस्तीफा देने के लिए भी कहा था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। अब संसद के दोनों सदनों — लोकसभा और राज्यसभा — में से किसी में भी यह प्रस्ताव लाया जा सकता है। राज्यसभा में कम से कम 50 और लोकसभा में 100 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी हैं।न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत, यदि किसी भी सदन में यह प्रस्ताव स्वीकार हो जाता है, तो अध्यक्ष या सभापति एक तीन-सदस्यीय समिति गठित करते हैं, जिसमें शामिल होते हैं — भारत के मुख्य न्यायाधीश या एक सुप्रीम कोर्ट जज, किसी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, और एक प्रतिष्ठित न्यायविद।संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने हाल में कहा कि यह मामला थोड़ा अलग है क्योंकि तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश द्वारा गठित इन-हाउस समिति पहले ही अपनी रिपोर्ट सौंप चुकी है। उन्होंने कहा कि अब तय करना है कि उस जांच को वर्तमान संवैधानिक प्रक्रिया में कैसे समाहित किया जाए। रिजिजू ने स्पष्ट किया कि न्यायाधीश (जांच) अधिनियम के तहत प्रक्रिया का पालन तो होगा ही, लेकिन पहले से हुई जांच को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि वह सीजेआई द्वारा की गई थी।

13 साल बाद मिला न्याय, जादू-टोना के शक में महिला की हत्या, 23 दोषियों को उम्रकैद

गुवाहाटी। असम के चराईदेव जिले में 13 साल पहले जादू-टोना के शक में एक महिला की जिंदा जलाकर हत्या करने के मामले में आखिरकार न्याय मिला है। चराईदेव जिला एवं सत्र न्यायालय ने इस जघन्य हत्याकांड में 23 लोगों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोषियों में 12 पुरुष और 11 महिलाएं शामिल हैं।घटना साल 2012 की है, जब चराईदेव के जाल्हा गांव में एक महिला पर जादू-टोना करने का आरोप लगाकर भीड़ ने उसे गंभीर यातनाएं दीं और जिंदा जला दिया। इस क्रूर घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी। पुलिस के अनुसार, पीड़िता को जादू-टोना करने के संदेह में प्रताड़ित किया गया और फिर आग के हवाले कर दिया गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस मामले में लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद कोर्ट ने मंगलवार को अपना फैसला सुनाया।न्यायाधीश अबूबक्कर सिद्दीकी की अध्यक्षता वाली अदालत ने सभी 23 दोषियों को आजीवन कारावास के साथ-साथ 5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। इसके अलावा, कोर्ट ने पीड़ित परिवार को 8 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। इस फैसले को अंधविश्वास के खिलाफ एक मजबूत कदम माना जा रहा है।पुलिस और स्थानीय लोगों के अनुसार, इस घटना ने अंधविश्वास और जादू-टोना जैसे सामाजिक कुरीतियों के खतरों को उजागर किया था। 13 साल तक चली सुनवाई के बाद आए इस फैसले से पीड़ित परिवार को राहत मिली है। सोशल मीडिया पर भी इस फैसले की सराहना हो रही है, हालांकि कई लोग अंधविश्वास के खिलाफ और जागरूकता की जरूरत पर जोर दे रहे हैं।

मद्रासी कैंप पर बुलडोजर एक्शन, सीएम रेखा गुप्ता बोलीं, कोर्ट ने आदेश दिया है, हम कुछ नहीं कर सकते

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि मद्रासी कैंप में चलाया गया ध्वस्तीकरण अभियान अदालत के निर्देशों का सख्ती से अनुपालन करते हुए किया गया। उन्होंने कहा कि अदालत ने राजधानी में भविष्य में बाढ़ से संबंधित आपदाओं को रोकने के उद्देश्य से बारापुला नाले को साफ करने के लिए इस झुग्गी बस्ती को चार बार हटाने का आदेश दिया था। मुख्यमंत्री गुप्ता ने जोर देकर कहा कि मद्रासी कैंप के निवासियों को घर आवंटित किए गए हैं और उन्हें वहां स्थानांतरित कर दिया गया है।

पत्रकारों से बातचीत में गुप्ता ने कहा कि मैंने साफ तौर पर कहा है कि अगर कोर्ट ने कुछ आदेश दिया है तो न तो सरकार और न ही प्रशासन कुछ कर सकता है। मद्रासी कैंप को तोड़े जाने का सच यह है कि यह बारापुला नाले के किनारे बनाया गया था। कोर्ट ने चार बार इस झुग्गी बस्ती को हटाने का आदेश दिया था, ताकि नाले की सफाई के लिए मशीनें लगाई जा सकें। नहीं तो दिल्ली में 2023 जैसी बाढ़ फिर देखने को मिलेगी। कोर्ट के आदेश की कोई अवहेलना नहीं कर सकता। उस कैंप के निवासियों को घर आवंटित कर वहां शिफ्ट कर दिया गया है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि रेलवे कॉलोनी सहित अन्य स्थानों पर भी इसी तरह की कार्रवाई की गई है। मामले का राजनीतिकरण करने के लिए आम आदमी पार्टी (आप) नेताओं पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने पूछा कि अगर किसी की जान चली गई तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा। उन्होंने कहा, दिल्ली में तीन जगहों पर कार्रवाई की गई, जिसमें रेलवे कॉलोनी भी शामिल है, जो रेलवे ट्रैक के पास बसी एक झुग्गी बस्ती है। रेलवे ने कार्रवाई की। अगर किसी की जान चली जाती है तो कौन जिम्मेदार होगा ? क्या सौरभ भारद्वाज, आतिशी या अरविंद केजरीवाल को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए ? कोर्ट जानता है कि वह क्या कर रहा है और इसलिए उसने आदेश दिए हैं।

पक्षी से टकराया रांची जा रहा इंडिगो विमान, 40 मिनट तक हवा में अटकी रही सांसें

रांची जाने वाली इंडिगो की एक फ्लाइट को रांची एयरपोर्ट पर करीब 4,000 फीट की ऊंचाई पर गिद्ध द्वारा हमला किए जाने के बाद इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। एयरपोर्ट अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि घटना के समय फ्लाइट में 175 यात्री सवार थे और सभी यात्री सुरक्षित हैं। रांची के पास इंडिगो के एक विमान से पक्षी टकरा गया। घटना के समय विमान शहर से लगभग 10 से 12 समुद्री मील दूर 3,000 से 4,000 फीट की ऊंचाई पर था। इंडिगो का विमान पटना से रांची आ रहा था और पायलट को यहां आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। उन्होंने कहा कि सभी यात्री सुरक्षित हैं, लेकिन एक गिद्ध के टकराने के बाद विमान में गड्ढा हो गया। इंजीनियर नुकसान का आकलन कर रहे हैं।

यह घटना दोपहर 1.14 बजे हुई। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि रांची आ रहा विमान कोलकाता जाने वाला था। हालांकि, इंडिगो के अधिकारियों ने कोई टिप्पणी नहीं की। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पक्षी के टकराने की घटनाएं विमानन क्षेत्र में आम खतरा हैं, खासकर उड़ान भरने और उतरने के दौरान और सभी एयरलाइंस विमान को सेवा में वापस लाने से पहले उसका गहन निरीक्षण करती हैं। रविवार को रायपुर से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की एक और उड़ान में धूल भरी आंधी के कारण अशांति का अनुभव हुआ, जिसके कारण पायलट को विमान को दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने से पहले फिर से ऊपर चढ़ना पड़ा।

उड़ान 6श्व 6313 हवा में कई चक्कर लगाने के बाद सुरक्षित रूप से दिल्ली हवाई अड्डे पर उतर गई। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पायलट ने घोषणा की कि हवा की गति 80 किमी/घंटा तक थी, और उसने चढ़ाई रोक दी तथा मौसम साफ होने तक वापस चढ़ गया। इस बीच, रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में बारिश हुई, साथ ही दिल्ली के दक्षिणी इलाकों में तेज़ हवाएँ भी चलीं। मौसम विभाग के अनुसार, यह बारिश पूर्व-दक्षिण-पूर्व की ओर बढ़ रहे बादलों के समूह के कारण हुई है। बारिश के कारण लोगों को गर्मी से काफ़ी राहत मिली, क्योंकि सुबह-सुबह राष्ट्रीय राजधानी में अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस से ज़्यादा दर्ज किया गया।

अयोध्या में हुई राम दरबार की प्राण-प्रतिष्ठा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अयोध्या में राम मंदिर में भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह की अध्यक्षता की। अनुष्ठान सुबह 11 बजे शुरू हुआ और लगभग 45 से 50 मिनट तक चला, जिसमें पारंपरिक वैदिक मंत्रोच्चार और अनुष्ठान शामिल थे। यह कार्यक्रम 3 जून से शुरू हुए तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह का अंतिम दिन था। आज अपना 53वां जन्मदिन मना रहे योगी आदित्यनाथ ने मंदिर के भूतल पर रामलला की आरती की। मंदिर के गर्भगृह में पूजा-अर्चना करने के बाद मुख्यमंत्री राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा के लिए मंदिर के प्रथम तल पर पहुंचे और वहां अनुष्ठान शुरू किया।

योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में श्री राम दरबार और अन्य देव विग्रहों के प्राण—प्रतिष्ठा कार्यक्रम में हिस्सा लिया और दर्शन—पूजन किया। गंगा दशहरा के अवसर पर राम मंदिर की पहली मंजिल पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के दरबार और आठ विग्रहों की प्राण—प्रतिष्ठा के अवसर पर मुख्यमंत्री ने दर्शन—पूजन कार्यक्रम में भाग लिया।हिंदू धर्म शास्त्रों के मुताबिक गंगा दशहरा वह दिन है जब राजा भगीरथ की तपस्या से प्रेरित होकर पवित्र नदी गंगा भगवान शिव की जटाओं से पृथ्वी पर उतरी थीं। इस दिन को बहुत शुभ माना जाता है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के न्यासी अनिल मिश्रा ने कहा कि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पूर्वाहन 11 बजकर 25 मिनट से 11 बजकर 40 मिनट के बीच आयोजित किया गया। मुख्य राम दरबार के अलावा, राम मंदिर परिसर के भीतर आठ अन्य मंदिरों का अभिषेक भी किया गया।

ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने कहा कि समारोह पूरे धार्मिक अनुष्ठानों और वैदिक मंत्रों के साथ आयोजित किये गये। इससे पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह की घोषणा की। उन्होंने अपने संदेश में कहा, प्रभु श्री राम की पावन जन्मभूमि अयोध्या धाम में आज श्री राम जन्मभूमि मंदिर के प्रथम तल पर श्री राम दरबार सहित अष्ट देवालयों में पवित्र देव विग्रहों की प्राण-प्रतिष्ठा हेतु आयोजित कार्यक्रम का साक्षी बनने का परम सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। यह पावन अवसर एक भारत-श्रेष्ठ भारत की नूतन अभिव्यक्ति है। सियावर श्री रामचन्द्र की जय ! अयोध्या में नवनिर्मित मंदिर परिसर में रामलला की मूर्ति का पहला प्राण-प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में आयोजित किया गया था।

बेची जा रही कैंसर की नकली दवाईयां, पुलिस ने किया 6 लोगों को गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़े नकली दवा रैकेट का पर्दाफाश करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है, जो कैंसर की महंगी दवाएं नकली रूप में बेचकर मुनाफा कमा रहे थे। इस कार्रवाई में लाखों रुपये मूल्य की नकली दवाएं और इंजेक्शन जब्त किए गए हैं। ये गिरोह सोशल मीडिया के जरिए मरीजों को झांसे में लेकर उन्हें भारी छूट का लालच देकर नकली दवाएं बेच रहा था।

पुलिस ने जिन दवाओं को जब्त किया है, उनमें ओपडिवो, पेम्ब्रोलिजुमैब (कीट्रूडा), सेटक्सिमैब (एरबिटक्स), लेनवेटिनिब (लेनविमा) जैसी हाई-एंड एंटी-कैंसर मेडिसिन शामिल हैं। इन दवाओं की असली कीमतें लाखों में होती हैं, लेकिन आरोपी इन्हें कुछ हजार रुपये में तैयार करवाकर 50-70 हजार रुपये में बेचते थे। क्राइम ब्रांच की टीम ने लक्ष्मी नगर, बुध विहार और चांदनी चौक में एक साथ कार्रवाई की। जांच के दौरान पाया गया कि आरोपी इंटरनेट पर कैंसर रोगियों से जुड़े व्हाट्सएप व टेलीग्राम समूहों में सक्रिय थे और वहीं से शिकार ढूंढते थे।

गिरफ्तार किए गए लोगों के नाम

नीरज कुमार (मंडावली फजलपुर) और अनिल कुमार- ओन्को लाइफ केयर फार्मा के पार्टनर, लक्ष्मी नगर से गिरफ्तार।

धनेश शर्मा और धीरज कुमार- बुध विहार से पकड़े गए, इनके कब्जे से 'नॉट फॉर सेल' लेबल वाली कई नकली दवाएं मिलीं।

ज्योति ग्रोवर (जगतपुरी) और प्रवीण कुमार (पानीपत) - चांदनी चौक के भगीरथ पैलेस से पकड़े गए, जिनके पास से बड़ी मात्रा में हाई-कॉस्ट नकली दवाएं बरामद की गईं। पुलिस के अनुसार इस गिरोह का संचालन नवीन आर्या नामक शख्स कर रहा था, जो पहले भी नकली दवा मामले में जेल जा चुका है। वह जमानत पर बाहर आने के बाद दोबारा गिरोह को चला रहा था। फिलहाल वह फरार है और उसकी तलाश जारी है।

जांच में सामने आया कि आरोपी मरीजों या उनके परिजनों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सस्ती दवा देने का वादा करते थे। असली दवाओं की तंगी और महंगाई का फायदा उठाते हुए वे भरोसा जीतते थे और फिर नकली दवाएं थमा देते थे। ड्रग इंस्पेक्टर ने ओपडिवो इंजेक्शन के नकली होने की पुष्टि कर दी है। इस भंडाफोड़ के बाद पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया के माध्यम से दवाएं न खरीदें और केवल अधिकृत मेडिकल स्टोर या अस्पताल से ही दवाएं लें। इस मामले में आगे की जांच जारी है और फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं।

मोदी जी प्लीज फैसले पर फिर से सोच लो ! पानी बंद होने के बाद पाकिस्तान भारत को भेज चुका है 4 चिट्ठियां

पाकिस्तान ने अब तक सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के निलंबन पर चिंता व्यक्त करते हुए भारत को चार पत्र भेजे हैं और भारत से इस निर्णय पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद, भारत के जल शक्ति मंत्रालय की सचिव देबाश्री मुखर्जी ने पाकिस्तान के जल मंत्रालय के सचिव सैयद अली मुर्तजा को पत्र लिखा। पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भारत पाकिस्तान से उत्पन्न सीमा पार आतंकवाद का शिकार बना हुआ है। भारत ने आईडब्ल्यूटी में अपनी भागीदारी को निलंबित करने के अपने निर्णय को संप्रेषित करते हुए तकनीकी तर्कों के साथ-साथ इस संदर्भ का हवाला दिया। भारत ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान ने आपसी विश्वास और सहयोग की भावना को कमजोर किया है, जो 1960 की संधि का आधार थी।

पहला पत्र मई की शुरुआत में ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से पहले भेजा गया था। तब से मुर्तजा ने तीन अतिरिक्त अपीलें भेजी हैं। सूत्रों के अनुसार, सभी पत्राचार जल शक्ति मंत्रालय के माध्यम से विदेश मंत्रालय को भेज दिए गए हैं। पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोहराया था कि व्यापार और आतंक, पानी और खून, गोली और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते।

भारत ने सिंधु नदी प्रणाली से संबंधित रणनीतिक जल अवसंरचना परियोजनाओं पर काम तेज़ कर दिया है। एक प्रमुख पहल 130 किलोमीटर लंबी नहर है जिसे ब्यास नदी को गंगा नहर से जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसका यमुना नदी तक प्रस्तावित विस्तार है। लगभग 200 किलोमीटर लंबी इस परियोजना में 12 किलोमीटर लंबी सुरंग शामिल है, जिससे यमुना का पानी गंगासागर तक पहुँच सकता है। इस पहल से दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों को लाभ मिलने की उम्मीद है। सरकार ने कहा है कि काम तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और दो से तीन साल में पूरा होने की उम्मीद है। एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) भी तैयार की जा रही है।

सूत्रों का सुझाव है कि संधि के निलंबन से पाकिस्तान की रबी फसलों पर काफी असर पड़ सकता है, जबकि खरीफ सीजन अपेक्षाकृत अप्रभावित रहेगा। कृषि के अलावा, व्यवधान दैनिक जीवन को प्रभावित कर सकता है, जिससे संभावित रूप से जल उपलब्धता संकट पैदा हो सकता है। पाकिस्तान ने कथित तौर पर मध्यस्थता के लिए विश्व बैंक से संपर्क किया है। हालाँकि, विश्व बैंक ने अब तक संधि में अपनी भागीदारी को निलंबित करने के भारत के आंतरिक निर्णय में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। भारत ने 21वीं सदी की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने के लिए संधि पर फिर से विचार करने और फिर से बातचीत करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। 1950 और 1960 के दशक में तैयार की गई मूल संधि को हाइड्रोलॉजिकल पैटर्न, ग्लेशियरों के पिघलने, जनसंख्या वृद्धि और टिकाऊ ऊर्जा और जल प्रबंधन की आवश्यकता में बदलाव के कारण तेजी से पुराना माना जा रहा है।

अजमेर के तारागढ़ किले का दौरा करेगी 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' की कास्ट

चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान की कहानी ज़्यादातर उनकी मशहूर प्रेमकथा राजकुमारी संयोगिता के साथ के इर्द-गिर्द की ही सुनाई जाती रही है। सोनी एंटरटेनमेंट की नई सीरीज़ 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' आने वाली है, वो इस नज़रिए को बदलने वाली है। इस बार केंद्रित होगा उस योद्धा सम्राट पर, जिसकी बहादुरी, तेज़ दिमाग़ और बेमिसाल सैन्य रणनीति ने 12वीं सदी में इतिहास रच दिया था। शो में दिखाया जाएगा वो ऐतिहासिक मोड़, जब पृथ्वीराज चौहान ने मोहम्मद गौरी के खिलाफ निर्णायक जंग लड़ी थी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर 4 जून से शुरू होने वाले शो चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान के प्रमोशन के लिए शो की 7 जून को जयपुर से अजमेर के ऐतिहासिक तारागढ़ किले की ओर रवाना होगी। इस खास मौके पर शो के प्रमुख कलाकार रोनित रॉय और नन्हे उर्वा सवालिया भी मौजूद रहेंगे, जो दौरा करते हुए पृथ्वीराज चौहान के शौर्य और विरासत से दर्शकों को रूबरू कराएंगे। यह किला राजा पृथ्वीराज चौहान की वीरगाथाओं का साक्षी रहा है, ऐसे में शो की टीम का यहां पहुंचना ऐतिहासिक मायने रखता है। रोनित और उर्वा किले का दौरा कर दर्शकों के साथ शो से जुड़े ऐतिहासिक पहलुओं को साझा करेंगे, ताकि लोग इस महान योद्धा के जीवन और संघर्ष को और गहराई से समझ सकें।'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' 4 जून से हर रात 7:30 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनीलिव पर प्रसारित होगी। ये शो 12वीं सदी के राजपूत राजा पृथ्वीराज चौहान की जिंदगी पर आधारित है, जिन्हें उनकी बहादुरी और मोहम्मद गौरी के हमलों के खिलाफ डटकर लड़ने के लिए जाना जाता है। शो की कहानी पूरी तरह हमारे इतिहास में रची-बसी है। मेकर्स ने सेट, कपड़े, डायलॉग और युद्ध के सीन, हर एक चीज़ को असली लुक देने की पूरी कोशिश की है, ताकि दर्शक उस दौर की भव्यता और पृथ्वीराज के जज़्बे को करीब से महसूस कर सकें।

प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

महबूबा मुफ्ती को सता रहा कश्मीरी पंडितों का दर्द

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को कश्मीरी पंडितों की सम्मानजनक वापसी और पुनर्वास की मांग करते हुए कहा कि उनके पुन-एकीकरण को केवल एक प्रतीकात्मक वापसी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि जम्मू और कश्मीर के लिए एक साझा, समावेशी और दूरंदेशी भविष्य के निर्माण के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने राजभवन में जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की।महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मैंने उनसे कहा कि जेलों में बंद कम गंभीर आरोपों वाले लोगों को ईद से पहले रिहा कर दिया जाना चाहिए। घाटी में कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यह एक लंबी प्रक्रिया है। हमने कुछ शुरू किया है।

कश्मीरी पंडितों ने पंचायत चुनाव लड़ा है। अगर आप उन्हें विधानसभा चुनाव में आरक्षण भी देते हैं, तो यह उन्हें सशक्त बनाने का सबसे अच्छा तरीका है। उन्होंने कहा कि हमने यहां कश्मीरी पंडितों की वापसी के मुद्दे पर बात की। अमरनाथ यात्रा और कश्मीरियों की भागीदारी के बारे में भी बात की। मैंने उनसे कहा कि यहां की जेलों में बंद कम गंभीर आरोपों वाले लोगों को ईद से पहले रिहा कर दिया जाना चाहिए।पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि हमने कश्मीरी पंडितों की घाटी में वापसी के मुद्दे को पीडीपी के एजेंडे का हिस्सा बनाया है। हमारे खिलाफ बहुत बड़ा आरोप है कि हम यहां रहने वाले कश्मीरी पंडितों को नहीं बचा सके। महबूबा ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में हर राजनीतिक दल, चाहे वह किसी भी विचारधारा का हो, लगातार उनकी वापसी के विचार का समर्थन करता रहा है। उन्होंने कहा, 卐उनके विस्थापन का साझा दर्द और सुलह की चाहत हम सभी को इस विश्वास में बांधती है कि कश्मीर एक बार फिर ऐसा स्थान बन सकता है जहां समुदाय शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व में रह सकें। इस मोर्चे पर सार्थक प्रगति की सुविधा के लिए, आपके विचार के लिए एक समावेशी और चरणबद्ध रोडमैप संलग्न किया गया है।

जिन्ना के छोड़े गए सफेद कागज में ऐसा क्या था, हो गया

भारत-पाक बंटवारा

भारत-पाक का बंटवारे का जिम्मेदार कौन था? जिस तरह से हमारे लिए जिन्ना विलेन है उसी तरीके से आप पाकिस्तान में जाकर बात करोगे तो नेहरू और महात्मा गांधी को गलत बताया जाता है।

16 अगस्त 1946 की एक तारीख ने बंटवारे की हकीकत पर मुहर लगा दी

16 अगस्त 1946 की एक तारीख हिन्दुस्तान की आजादी के इतिहास की ऐसी ही तारीख है जिसने बंटवारे की हकीकत पर मुहर लगा दी। मोहम्मद अली जिन्ना के नेतृत्व में अपने स्वार्थ के लिए एक धड़े ने भारत को बांटने का दावा पेश कर दिया था। डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी का **एक देश, एक विधान, एक निशान और एक संविधान** का नारा पूरे देश में गूंज रहा था।

जिन्ना का मजहबी एजेंडा

गांधी जी भारत का बंटवारा किसी भी कीमत पर नहीं चाहते थे। दूसरी तरफ मुस्लिम लीग थी जो मुसलमानों के लिए **अलग पाकिस्तान की मांग** कर रही थी। जिन्ना ने बहुत ही चालाकी के साथ अपना राजनीतिक भविष्य तैयार किया। उन्हें पता था कि कांग्रेस में उनका भविष्य नहीं है।

पाकिस्तान पर मुहर लगवाने के लिए क्या-क्या हथकंडे अपनाए

2 जून 1947, नॉर्थ कोट, नई दिल्ली: जब मीटिंग के बाद जब जिन्ना उठे तो मेज पर सादा कागज छोड़ गए। उस कागज पर रॉकेट, टेनिस रैकेट, उड़ते हुए गुब्बारों की तस्वीर के साथ बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था- **गवर्नर जनरल।** मतलब साफ था कि जिन्ना को गवर्नर जनरल बनना था लेकिन भारत का नहीं बल्कि **पाकिस्तान का गवर्नर जनरल** बनना था।

भारत समृद्धि के नए आयाम लिख रहा, पाक बना आतंक का अड्डा

एक तरफ भारत जो समृद्धि के नए आयाम लिख रहा है और दुनिया की **तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था** बनने की ओर बढ़ रहा है। वहीं, पाकिस्तान **आतंक का अड्डा** बना हुआ है।

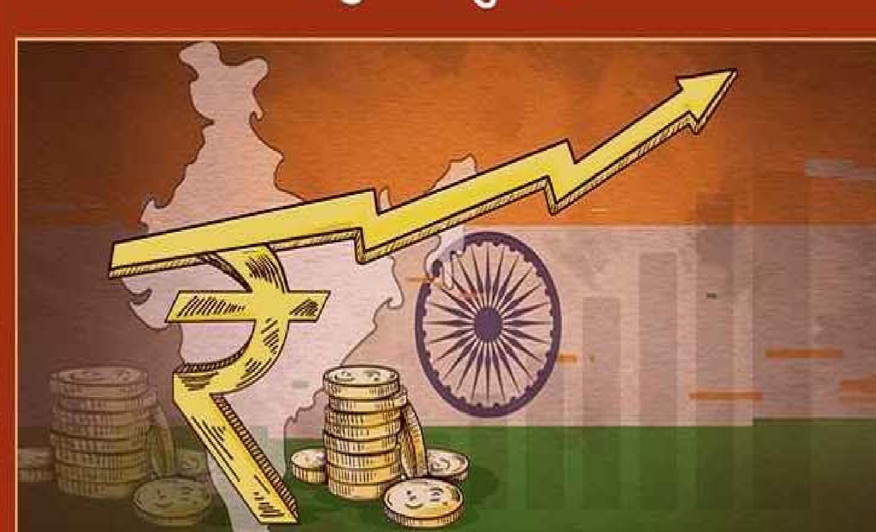

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। विश्व बैंक के 2024 के आंकड़े को देखें तो भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) **3.88 ट्रिलियन डॉलर** के करीब है, जो पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के आकार से **10 गुना अधिक** है।

78 साल बाद भी हिंदू मुस्लिम एक नहीं वाली थ्योरी पर अटका पाकिस्तान

15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों ने इंडियन इंडिपेंडेंस एक्ट पर नई दिल्ली में रात के 12:00 बजे दस्तखत किए थे कई सदियों बाद भारत को आजादी मिली लेकिन बंटवारे के तौर पर इसकी कीमत भी चुकानी पड़ी भारत की छाती पर खींची लकीर से दूसरी तरफ एक नया मुल्क पाकिस्तान बन गया लेकिन उनका मुल्क आज भी वहीं अटका पड़ा है।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग अध्यक्ष डॉ बबीता सिंह चौहान से मिले दवा व्यापारी

कानपुर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग अध्यक्ष डॉ बबीता सिंह चौहान का आगमन दिनांक 06.06.25 दिन शुक्रवार को कानपुर नगर में अपने सरकारी कार्य बाल विकास, समाज कल्याण, स्वास्थ्य विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, जिला कारागार आदि निपटाने के पश्चात 07.06.25 दिन शनिवार को मंडली सदस्य उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग पूनम द्विवेदी के निवास स्थान श्याम नगर शिष्टाचार भेंट के पश्चात दवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र सैनी के आवास पहुंची। वहां पर संजय मल्होत्रा, अरुण अस्थाना, नवीन एवं श्याम नगर के निवासियों से संपर्क किया। उसके पश्चात आगरा के लिए प्रस्थान किया।

स्वस्थ शरीर बनाए रखने के लिए फास्ट फूड से बचें:ज्योति बाबा

अस्पताल से बचने को घर के भोजन को दे प्राथमिकता

बीपीएस न्यूज

कानपुर। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2025 की थीम है कि खाद सुरक्षा- विज्ञान की क्रियाशीलता यह इस बात पर जोर देता है कि विज्ञान किस तरह से खाद्य जनित संक्रमणों को रोकने में मदद कर सकता है 2025 के विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस का विषय इस बात पर प्रकाश डालता है कि किस तरह से नवाचार, डाटा और शोध, जोखिम की पहचान, स्वच्छता संबंधी प्रथाओं और हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन की सुरक्षा में मदद करते हैं उपरोक्त बात सोसाइटी योग ज्योति इंडिया के तत्वाधान मे नशा मुक्ति युवा भारत अभियान के तहत विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के परिप्रेक्ष्य में आयोजित संगोष्ठी शीर्षक खाद्य

सुरक्षा- विज्ञान की क्रियाशीलता पर अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति अभियान के प्रमुख योग गुरूज्योति बाबा ने कही, ज्योति बाबा ने आगे कहा कि इस दिवस का उद्देश्य दूषित भोजन से जुड़े जोखिमों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाना और खाद्य श्रृंखला में जोखिम के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाना और खाद्य श्रृंखला में जोखिमों को कम करने के उद्देश्य से पहल को प्रोत्साहित करना है।

राजेश प्रांत प्रमुख घुमंतू जनजाति परिषद उत्तर प्रदेश ने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट के मामलों का प्रतिशत 2012 में 15त्न से बढ़कर 2019 में 28 प्रतिशत हो गया, एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले तीन वर्षों में 38 प्रतिशत भारतीय परिवारों ने दूषित पैकेज्ड खाद्य पदार्थ खरीदे, जबकि अधिकृत खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं एवं फूड इंस्पेक्टर की बेहद कमी है जिनके कारण परिणाम उत्साहवर्धक नहीं आते हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष पीयूष रंजन मिश्रा सनातनी ने कहा की अपर्याप्त परिवहन और भंडारण विशेष कर अपर्याप्त तापमान नियंत्रण के कारण खाद्य संदूषण बढ़ जाता है विश्व खाद सुरक्षा दिवस का नारा है और यह हम में से हर एक की जिम्मेदारी है कि हम खेत से लेकर खाने की थाली तक आपूर्ति श्रृंखला में सुरक्षित भोजन को संरक्षित रखें। राघवेंद्र जी ने जोर देकर कहा कि खाद्य सुरक्षा का अंतिम लक्ष्य सभी के लिए एक स्थाई और सुरक्षित खाद्य स्त्रोत बनाना है इस लक्ष्य का उद्देश्य आनंददायक खाद्य अनुभव पर जोर देना है साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि हमें मिलने वाला भोजन सुरक्षित हो। अंत में योग गुरू ज्योति बाबा ने सभी को नशा हटाओ सुरक्षित भोजन पाओ का संकल्प भी कराया। संगोष्ठी का संचालन अमित सिंह रोबिन व धन्यवाद डॉ आर सी शर्मा ने दिया। अमित सिंह रोबिन, टिंकू वाल्मीकि, डॉक्टर आरसी शर्मा, अमन त्रिपाठी नवीन गुप्ता इत्यादि थे।

सिगरेट के धुएं से निकलने वाले कचरे से पर्यावरण को नुकसान -ज्योति बाबा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। तंबाकू का पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है तंबाकू की खेती और सिगरेट के धुएं से निकलने वाले कचरे से पर्यावरण को नुकसान होता है जिससे जल, भूमि और वायु प्रदूषण बढ़ता है तंबाकू की खेती के लिए वनों की कटाई से जैव विविधता की हानि, मिट्टी का क्षरण और जल प्रदूषण होता है उपरोक्त बात सोसाइटी योग ज्योति इंडिया के तत्वाधान में पर्यावरण बचाओ नशा हटाओ हरियाली लाओ जीवन बचाओ के तहत विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित संगोष्ठी शीर्षक तंबाकू की खेती का पर्यावरण पर प्रभाव विषय पर बोलते हुए अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति अभियान के प्रमुख योग गुरू ज्योति बाबा ने कही, ज्योति बाबा ने एक पेड़ मां के नाम लगाते हुए आगे कहा कि प्लास्टिक कचरा, सिगरेट, फिल्टर प्लास्टिक से बने होते हैं जो जलमार्गों में प्रदूषण फैलाने के साथ भू प्रदूषण फैलाते हैं तंबाकू की खेती के चलते वनों की कटाई और प्रदूषण से वन्य जीवों के आवास और भोजन की उपलब्धता कम हो जाती है तंबाकू उद्योग के लिए ईंधन की बड़ी मात्रा में आवश्यकता होती है जो ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को बढ़ाती हैं, ज्योति बाबा ने जोर देकर कहा कि तंबाकू की बिक्री में प्लास्टिक का जबरदस्त प्रयोग होता है जिससे पर्यावरण प्रदूषण चरम पर फैलता है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष पीयूष रंजन मिश्रा सनातनी ने कहा कि सिगरेट बनाने और तंबाकू की खेती के लिए पानी के अत्यधिक प्रयोग के कारण पानी की बड़ी बर्बादी होती है। तंबाकू की खेती के लिए वनों की कटाई से जैव विविधता की हानि मिट्टी का क्षरण और जल प्रदूषण होता है सिगरेट का कचरा जैसे बट पाउच प्लास्टिक समुद्र तटों और जल मार्गों को प्रदूषित करते हैं।

अध्यक्षता करते हुए कुशल पाल सिंह ने कहा कि तंबाकू उगाने में आमतौर पर रसायनों का बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है जिसमें कीटनाशक उर्वरक और वृद्धि नियामक शामिल है जो पानी के स्त्रोतों को प्रभावित कर सकते हैं शोधों से यह भी पता चला है कि तंबाकू की फसले अन्य प्रमुख फसलों की तुलना में अधिक नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम लेकर मिट्टी के पोषक तत्वों को नष्ट कर देती हैं डॉक्टर आर सी शर्मा ने कहा कि पर्यावरण में तंबाकू के धुएं के संपर्क में आने से होने वाले स्वास्थ्य प्रभावों में फेफड़े का कैंसर हृदय रोग और लंग्स रोग शामिल है उत्तर के अध्यक्ष अमित सिंह रोबिन ने कहा कि तंबाकू सिगरेट ई- सिगरेट और गर्म तंबाकू उत्पादन जैसे नए और उभरते उत्पादों से निकलने वाला कचरा हमारे पर्यावरण में प्रवेश करता है और हमारे धरा खेती की जाने वाली भूमि को जहरीले रसायनों भारी धातुओं और अवशिष्ट निकोटिन से नष्ट कर देता है। संगोष्ठी का संचालन पवन शर्मा व धन्यवाद सोशल एक्टिविस्ट गीता पाल ने दिया।

अंत में सभी को योग गुरू ज्योति बाबा ने तंबाकू हटाओ प्रदूषण बचाओ का संकल्प भी कराया। अन्य प्रमुख पर्यावरण प्रेमी सुशील वाजपेई, आशुतोष मिश्रा, किशोर, श्रवण कुमार गुप्ता, अनिल सिंह राठौड़ इत्यादि थे।

अनुपस्थित खंड विकास अधिकारियों का कटेगा एक दिन का वेतन, देना होगा स्पष्टीकरण

कानपुर।2 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में संपन्न हुई वर्चुअल बैठक में निर्देश दिए गए कि अधिकारियों द्वारा जनता दर्शन पर विशेष ध्यान दिया जाए और सभी संबंधित अधिकारी अपने कार्यालय में उपस्थित रहकर प्रात: 10 बजे से 12:00 बजे तक जनता दर्शन कर उनकी समस्याओं का निवारण करें।उक्त निर्देशों के अनुक्रम में 3 जून को मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जनपद के विकास खंडों में जनता दर्शन की वास्तविकता की जानकारी लेने के उद्देश्य से प्रात: 10:30 पर सभी खंड विकास अधिकारियों की एक वर्चुअल बैठक आहूत की गई, जिसमें चंद्रमणि खंड विकास अधिकारी चौबेपुर/कल्याणपुर एवं आशीष मिश्रा खंड विकास अधिकारी घाटमपुर/बिधनू प्रात: 10:40 पर अपने विकास खंड मुख्यालय पर उपस्थित नहीं पाए गए। उक्त खंड विकास अधिकारियों को अनुपस्थित मानते हुए 3 जून का वेतन काटने के निर्देश किए गए और 2 दिन के अंदर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए।

लखनऊ पुलिस हमलावरो पर जल्द करे कार्यवाही, वरना होगा प्रदेश व्यापी आन्दोलन, डीजीपी से मुलाकात का मांगा समय

बीपीएस न्यूज

कानपुर। दिव्यांग महागठबंधन की बैठक शास्त्री नगर सेन्ट्रल पार्क में सम्पन्न हुई। बैठक में दिव्यांग महागठबंधन के प्रदेश अध्यक्ष मनीष प्रसाद के ऊपर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा जानलेवा हमला करने की निन्दा की गयी है। हमले में मनीष प्रसाद बाल बाल बच गए हैं। थाना आलमबाग में अज्ञात हमलावरों के विरुद्ध मनीष प्रसाद ने प्रार्थना पत्र दिया है, पुलिस जांच कर रही है।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिव्यांग महागठबंधन के महासचिव वीरेन्द्र कुमार ने घटना की निन्दा करते हुए कहा है कि लखनऊ पुलिस दोषियों को जल्द गिरफ्तार करे। अन्यथा महागठबंधन प्रदेश व्यापी आन्दोलन को बाध्य होगा। 8 जून को दिव्यांग महागठबंधन खराब कानून व्यवस्था के विरोध में ज्ञापन सौपेगा। उन्होंने उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक से मुलाकात का समय मांगा है।वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश में दिव्यांगजनों का उत्पीड़न बढ़ता जा रहा है। आये दिन दिव्यांगजनों के साथ हत्या, बलात्कार की घटनाएं हो रही है। लखनऊ में मनीष प्रसाद के ऊपर अज्ञात व्यक्तियों ने हमला कर दिया, जनपद कन्नौज तालग्राम स्थित मायापुर्वा निवासी दिव्यांग उमेश चन्द्र की दबंगों ने हत्या कर दी, अभी पिछले दिनों मूक-बधिर लड़की के साथ बलात्कार कर उसकी हत्या हो गई थी। सरकार दिव्यांग उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने में असफल है। उत्तर प्रदेश में दिव्यांग अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। वीरेन्द्र कुमार ने सरकार को व लखनऊ पुलिस को एक सप्ताह का समय दिया है। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह में दोषियों को गिरफ्तार कर कठोर कार्यवाही नहीं होती है तो महागठबंधन प्रदेश व्यापी आन्दोलन को मजबूर होगा।

बैठक में मौजूद महागठबन्धन के जिला अध्यक्ष राहुल कुमार ने कहा कि दिव्यांगजनों के साथ इसी तरह हमला होते रहे तो सड़क पर उतर कर आन्दोलन करना हमारी मजबूरी होगी। इस घटना की जितनी निन्दा की जाय कम है। अपराधी बेलगाम हो गये है। सरकार अपराधियों पर अंकुश नहीं लगा पा रही है।

महिला मोर्चा अध्यक्ष अल्पना कुमारी ने कहा कि दिव्यांग महिलाओं के साथ बलात्कार और हत्या की घटनाएं बढ़ी हैं। सरकार इस पर रोक नहीं लगा पा रही है। दिव्यागों की सुरक्षा कि जिम्मेदारी सरकार व पुलिस प्रशासन की है। पुलिस अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पा रही है।आज कि बैठक में दिव्यांग महागठबंधन के महासचिव वीरेन्द्र कुमार, जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, महिला मोर्चा की अध्यक्ष अल्पना कुमारी, वैभव दीक्षित, गोमती वर्मा, जौहर अली आशीष कुमार, शंकर लाल आदि शामिल थे।

कानपुर अग्निकांड- गुमटी बाजार में बंद टाकीज में आग, बाल-बाल बची बाजार

कानपुर। गुमटी नंबर पांच स्थित रेलवे क्रासिंग के पास जयहिंद टाकीज के छत पर पड़े कबाड़ में भीषण आग लगी जिससे बाजार में अफरातफरी मच गई। मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग को आगे बढ़ने से रोका और बाजार को पूरी तरह सुरक्षित कर दिया।

रविवार को अपराह्न 3.30 बजे गुमटी नंबर पांच में रेलवे क्रासिंग के पास जयहिंद टाकीज के ऊपरी हिस्से में आग लगी। अनुमान लगाया जा रहा है कि शार्ट सर्किट से कबाड़ में आग लगी। घटना के समय गुमटी बाजार सज रही थी और ग्राहकों के आने का सिलसिला शुरु हो गया था। बाजार के ऊपर धुआं उठते देख लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। क्षेत्रीय लोगों ने घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी। फजलगंज फायर स्टेशन से मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा की अगुवाई में दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और एक घंटे मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी का कहना है कि आग को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। कोई जनहानि नहीं हुई।

विज्ञापन कार्यालय-130/ 4 - बाबू पुरवा कॉलोनी, किदवई नगर, कानपुर
नवीन गुप्ता (विज्ञापन प्रतिनिधि)

बीपीएस न्यूज समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) में विज्ञापन लगवाने के लिए संपर्क करें। मो. 9839625941

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502 , व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजें।